RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 293 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरू » रविवार » 24-05-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 श्रमिकों का सम्मान और सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता : योगी आदित्यनाथ
6 हवलदार दयाल सिंह : देश के लिए प्राण दिए, आखिरी सांस तक हौसला नहीं छोड़ा
7 संघर्ष से रहा मेरा गहरा नाता : शेफाली शाह

जो राष्ट्र अपने हथियार खुद बनाता है, वह अपना भविष्य स्वयं लिखता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिरडी (महाराष्ट्र)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि कोई भी शक्ति भारत को अगले 25-30 वर्षों में हथियारों का सबसे बड़ा निर्यातक बनने से नहीं रोक सकती। पहले भारत को हथियारों का आयातक समझा जाता था।

शिरडी में आयुध निर्माण इकाई का उद्घाटन करने के बाद सिंह ने कहा कि जो राष्ट्र अपने हथियार खुद बनाता है, वह अपना भविष्य स्वयं लिखता है। उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले रक्षा विनिर्माण में निजी कंपनियों की भूमिका नगण्य थी, जो अब 25-30 प्रतिशत है, जबकि सरकार ने इसे और बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा, निजी क्षेत्र की भागीदारी रक्षा क्षेत्र में केवल नट-बोल्ट के आपूर्तिकर्ता की ही नहीं है, बल्कि वह अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों का निर्माता भी है। सिंह ने कहा कि भारत को हथियारों का आयातक माना जाता था, लेकिन अब कोई भी शक्ति इसे 25-30 वर्षों में सबसे बड़ा निर्यातक बनने से नहीं रोक सकती।

■ भारत को हथियारों का आयातक माना जाता था, लेकिन अब कोई भी शक्ति इसे 25-30 वर्षों में सबसे बड़ा निर्यातक बनने से नहीं रोक सकती।

उन्होंने कहा कि जब सरकार की दूरदृष्टि और निजी क्षेत्र का नवाचार एक साथ मिलते हैं, तभी देश नई ऊंचाइयों पर पहुंचता है।

सिंह ने कहा कि ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के शासनकाल के दौरान, पोटैशियम नाइट्रेट का उपयोग बारूद बनाने के लिए कच्चे माल के रूप में किया जाता था, और कंपनी ने अपनी सैन्य क्षमता को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि रक्षा उद्योग के मामले में भारत ने काफी लंबा सफर तय किया है।

सिंह ने कहा कि हालांकि आयुध कारखाने स्वतंत्रता से पहले भी मौजूद थे और रक्षा उद्योग देश में गहराई से जुड़ा हुआ है, लेकिन स्वतंत्रता के बाद, देश की पुरानी क्षमताओं और आधुनिक आवश्यकताओं के बीच कोई संतुलन नहीं रहा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि इसके पीछे मुख्य कारण यह था कि निजी क्षेत्र के खिलाड़ियों को अवसर नहीं मिले और यह क्षेत्र रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और आयुध कारखानों तक ही सीमित रहा। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में निजी भागीदारी बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को सूचीबद्ध किया, जिसमें नीति संबंधी सुधार और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का उदारीकरण शामिल है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने रणनीतिक साझेदारी मॉडल लागू किया है और 5,000 वस्तुओं की एक सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची तैयार की है, जिसके तहत सशस्त्र बलों के लिए इन वस्तुओं की खरीद भारत में ही अनिवार्य कर दी गई है।

भविष्य के युद्ध मनोवैज्ञानिक तरीके से लड़े जाएंगे : सीडीएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिरडी/भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शनिवार को कहा कि भविष्य के युद्ध बहु-क्षेत्रीय होंगे, जहां लड़ाइयां भूमि, समुद्र, वायु और साइबर क्षेत्र के साथ-साथ मनोवैज्ञानिक तरीके से भी लड़ी जाएंगी।

जनरल चौहान ने कहा कि प्रौद्योगिकी, गति और नवाचार आने वाले दिनों में अभियानों की सफलता निर्धारित करने वाले महत्वपूर्ण कारक होंगे।

महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले के शिरडी में एक रक्षा विनिर्माण इकाई के उद्घाटन के अवसर पर सीडीएस चौहान ने कहा कि युद्ध, युद्धकला और युद्ध के तरीकों में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध केवल जनशक्ति, पारंपरिक हथियारों या प्लेटफॉर्म-केंद्रित अभियानों पर आधारित नहीं हैं।

जनरल चौहान ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ड्रोन, रोबोटिक्स, साइबर प्रणालियां, स्वायत्त प्लेटफॉर्म, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, सटीक मारक क्षमता वाले हथियार और सूचना प्रभुत्व भविष्य के युद्धों को निर्णायक आकार देंगे। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी, गति और नवाचार आने वाले दिनों में अभियानों की सफलता निर्धारित करने वाले महत्वपूर्ण कारक होंगे।

फर्स्ट टेक

कर्नाटक में कामगारों की न्यूनतम मजदूरी में 60 प्रतिशत की वृद्धि की गई

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक सरकार ने न्यूनतम मजदूरी में 60 प्रतिशत की वृद्धि की है, जिससे बेंगलूरु में श्रमिकों को न्यूनतम 23,376 रुपये प्रति माह प्राप्त होंगे। राज्य सरकार की अधिसूचना में कहा गया कि राजधानी बेंगलूरु में कुशल कामगार 31,114 रुपये प्रति माह के हकदार होंगे। शनिवार को श्रम मंत्री संतोष लाड ने यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि इसके साथ ही कर्नाटक के श्रमिक समुदाय की लंबे समय से लंबित मांग पूरी हो गई है। कर्नाटक के अन्य हिस्सों में संशोधित दरें प्रतिमाह 19,300 रुपये से 21,251 रुपये तक के बीच होंगी। मंत्री ने कहा कि संशोधित मजदूरी अधिसूचना राज्य भर में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के साथ-साथ निर्दिष्ट क्षेत्रों के कर्मचारियों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करेगी तथा पहली बार लाखों श्रमिकों को एक एकीकृत ढांचे के तहत लाएगी।

चीन में कोयला खदान में गैस विस्फोट से 90 लोगों की मौत

बीजिंग/भाषा। उत्तरी चीन की एक कोयला खदान में गैस विस्फोट होने से 90 खनिकों की मौत हो गई। बीजिंग के आधिकारिक मीडिया ने शनिवार को यह जानकारी दी। गैस विस्फोट शुक्रवार शाम लिउशेन्यु कोयला खदान में हुआ। हादसे के समय खदान में 247 खनिक मौजूद थे। सरकारी मीडिया की खबर के अनुसार, उत्तरी चीन के शानशी प्रांत के क्निनयुआन काउंटी में कोयला खदान में विस्फोट होने से मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 90 हो गई है। इसके अनुसार बचाए गए लोगों में से लगभग 123 लोगों का अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। खबर के अनुसार नौ लोग अभी भी लापता हैं और बचाव अभियान जारी है।

हेमकुंड साहिब के कपाट खुले, पांच हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मत्था टेका

गोपेश्वर/भाषा। उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित सिखों के प्रसिद्ध तीर्थस्थल श्री हेमकुंड साहिब के कपाट शनिवार को विधि-विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। हेमकुंड साहिब ट्रस्ट के अध्यक्ष नरिंदर जीत सिंह बिंद्रा ने बताया कि प्रातः नौ बजे पंज प्यारों की अगुवाई में श्री गुरु ग्रंथ साहिब को दरबार साहिब में सुशोभित किया गया। इसके बाद सुखमणी साहिब का पाठ और शबद-कीर्तन हुआ तथा गुरुद्वारे के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिए गए। उन्होंने बताया कि कपाट खुलने के बाद हेमकुंड साहिब में इस वर्ष की पहली अरदास संपन्न हुई।

सूर्यास्त 24-05-2026	सूर्योदय 25-05-2026
6:40 बजे	5:52 बजे

BSE	NSE
75,415.35	23,719.30
(+231.99)	(+64.60)

सोना	चांदी
16,417 रु.	278,564 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आवारा पशुधन

बाधित हैं सारे राजमार्ग,
सड़कों पर बैठा है पशुधन।
आवारा गौ और वत्स त्रस्त,
बिन मालिक फिरते हैं वन-वन।
पाले अब इनको कौन व्यर्थ,
पर्याप्त नहीं है संसाधन।
नित होती दुर्घटनाओं से,
आतंकित है सारा जन-मन।।

तेजी से बदलते डिजिटल युग में विनम्र रहें, नैतिक मूल्यों को बनाए रखें छात्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बठिंडा/भाषा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने तेजी से बदलते डिजिटल युग में संवैधानिक मूल्यों, नैतिक आचरण, सत्यनिष्ठा और करुणा के महत्व को शनिवार को रेखांकित किया।

पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय के 11वें दीक्षांत समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने स्नातकों को समावेशी और प्रगतिशील समाज के निर्माण में सार्थक योगदान देते हुए करुणा, सहानुभूति और मानवीय मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रधान न्यायाधीश ने माना कि डिजिटल प्रगति नये अवसरों का सृजन कर रही है। हालांकि, उन्होंने तेजी से बदलते डिजिटल युग में उभरती नैतिक चुनौतियों के प्रति भी आगाह किया।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने छात्रों से विनम्र और सामाजिक रूप से जिम्मेदार बने रहने का आग्रह करते हुए कहा कि डिग्री समाज और राष्ट्र के प्रति बड़ी जिम्मेदारियों की शुरुआत का प्रतीक है।

कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश ने विश्वविद्यालय के 31,410 वर्ग फुट क्षेत्र में लगभग 14.40 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से निर्मित पुस्तकालय भवन का उद्घाटन भी किया।

भाजपा का लक्ष्य केवल सत्ता हासिल करना नहीं, बल्कि राष्ट्रहित है : नितिन नवीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को कहा कि पार्टी का मूल उद्देश्य केवल राजनीतिक सत्ता हासिल करना नहीं, बल्कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और सम्मान पहुंचाना है।

भाजपा के पटना महानगर प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन सत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नवीन ने भाजपा की यात्रा को राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक चेतना, सेवा और संगठनात्मक प्रतिबद्धता पर आधारित बताया।

नवीन ने अपने जन्मदिन के अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन किया। शिविर में भाजपा के 12 वरिष्ठ नेताओं द्वारा बंद कमरे में सत्र आयोजित किए जाने हैं।

नवीन ने कहा कि पार्टी की वैचारिक जड़ें श्यामा प्रसाद मुखर्जी की राष्ट्रवादी सोच और दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित 'एकात्म मानववाद' के दर्शन में निहित हैं। उन्होंने कहा, ''भाजपा का मूल उद्देश्य सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखना और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और सम्मान पहुंचाना है।''

वर्ष 1951 में स्थापित भारतीय जनसंघ से लेकर आज दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन तक पार्टी के विकास का उल्लेख करते हुए नवीन ने कहा कि यह यात्रा कार्यकर्ताओं के संघर्ष, समर्पण और बलिदान से निर्मित हुई है। उन्होंने दावा किया कि आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा के लिए हजारों राष्ट्रवादी कार्यकर्ता जेल गए, लेकिन उन्होंने राष्ट्रीय हित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता से समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा, ''भाजपा की राजनीति हमेशा सिद्धांतों पर आधारित रही है।''

नवीन ने दावा किया कि भाजपा नेतृत्व वाली सरकार के तहत भारत लगातार विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

रूपमणि गोई एवरेस्ट फतह करने वाली असम की पहली महिला बनीं

गुवाहाटी/भाषा। रूपमणि गोई दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी एवरेस्ट को फतह करने वाली असम की पहली महिला बन गई हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को यह जानकारी दी।

रूपमणि ने यह उपलब्धि भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की महिला अभियान दल के हिस्से के रूप में हासिल की। लखीमपुर जिले के लीलाबाड़ी की निवासी रूपमणि बृहस्पतिवार को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंचीं। शर्मा ने कहा कि राज्य को उनकी (रूपमणि की) इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर गर्व है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, असम की बेटी ने दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी फतह की है। आईटीबीपी के महिला अभियान दल के हिस्से के रूप में एवरेस्ट फतह करने वाली असम की पहली महिला बनने पर रूपमणि गोई को हार्दिक बधाई।

अय्यर की नाबाद शतकीय पारी से एलएसजी को मात देकर

पंजाब किंग्स की प्लेऑफ की उम्मीदें कायम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। कप्तान श्रेयस अय्यर की नाबाद 101 रन की शानदार पारी की बदौलत पंजाब किंग्स ने लगातार छह हार के सिलसिले को तोड़ते हुए शनिवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को सात विकेट से करारी शिकस्त देकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) प्लेऑफ की दौड़ में अपनी उम्मीदें कायम रखीं।

अय्यर ने 51 गेंदों में अपने आईपीएल करियर का पहला शतक जड़ा, जबकि प्रभसिमरन सिंह ने 39 गेंदों में 69 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी कर एलएसजी के छह विकेट पर 196 रन के स्कोर को बौना साबित कर दिया। पंजाब किंग्स ने 12 गेंद शेष रहते तीन विकेट पर 200 रन बनाए।

इस जीत के साथ पंजाब किंग्स ने अपने सभी 14 लीग मुकाबले पूरे कर 15 अंक हासिल किए और अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई। अब टीम को अपनी किस्मत जानने के लिए इंतजार करना होगा, क्योंकि रविवार को मुंबई में राजस्थान रॉयल्स और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला खेला जाएगा। राजस्थान रॉयल्स यह मैच जीतती है तो टीम 16 अंकों के साथ चौथी टीम के रूप में प्लेऑफ में पहुंचेगी। राजस्थान अगर यह मैच हारती है तो पंजाब किंग्स की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें काफी बढ़ जायेंगी।

कोलकाता नाइट राइडर्स (13 अंक) रविवार को दूसरे मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेगी। राजस्थान के हारने की स्थिति में उसके पास भी प्लेऑफ में पहुंचने का मौका होगा लेकिन पंजाब किंग्स का नेट रनरेट काफी बेहतर है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस पहले ही प्लेऑफ में जगह बना चुकी हैं।

इन समीकरणों से अलग श्रेयस अय्यर ने लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार संयम और आक्रामकता का परिचय दिया।

पंजाब की शुरुआत खराब रही और सलामी बल्लेबाज प्रियंश आर्य (शून्य) पहली ही गेंद पर मोहम्मद शमी (45 रन पर दो विकेट) का शिकार बने। इसके बाद अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज ने कूपर कोनोली का ऑफ स्टंप भी उखाड़ दिया, जिससे पंजाब दबाव में आ गई। अय्यर पर इन शुरुआती झटकों का कोई असर नहीं पड़ा। उन्होंने स्पिनरों और तेज गेंदबाजों दोनों पर शानदार ड्राइव, पुल और अपने चिर परिचित अंदाज में फ्लिक शॉट्स से दबदबा बनाया।

उन्होंने खास तौर पर स्पिनर दिग्वेश राठी को निशाना बनाया और लगातार ऑन-साइड बाउंड्री लगाईं। दूसरी ओर, प्रभसिमरन को 20 और 62 रन के स्कोर पर जीवनदान मिला, जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया।

प्रभसिमरन ने 26 गेंदों में इस सत्र का अपना छठा अर्धशतक पूरा किया, जबकि श्रेयस ने 33 गेंदों में पचासा पूरा किया। अर्धशतक के बाद श्रेयस और भी आक्रामक हो गए और अगले 51 रन सिर्फ 18 गेंदों में बना डाले। प्रभसिमरन एलएसजी के लिए पहला मैच खेल रहे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्जुन तेंदुलकर की गेंद पर पगबाधा आउट हुए, लेकिन तब तक पंजाब जीत के बेहद करीब पहुंच चुकी थी।

अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता में प्रगति हुई : रूबियो

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शनिवार को कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में कुछ प्रगति हुई है, जिससे संकेत मिलता है कि पश्चिम एशिया में दो महीने से अधिक समय से जारी संघर्ष समाधान के करीब पहुंच सकता है।

रूबियो ने कहा कि इस विवाद का समाधान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कहे अनुसार, ''किसी न किसी तरह से'' होना ही चाहिए। भारत की चार दिन की यात्रा पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री ने अमेरिकी दूतावास में एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए यह बात कही। रूबियो ने कहा, ''कुछ प्रगति हुई है। अभी जब मैं आपसे बात कर रहा हूं, तब भी कुछ काम हो रहा है।''

शीर्ष राजनयिक ने यह भी कहा कि वाशिंगटन अगले कुछ दिनों में इस मुद्दे पर कुछ कह सकता है। उन्होंने कहा, ''अभी भी कुछ प्रगति हुई है, कुछ काम चल रहा है। आज, कल या कुछ दिनों में, हो सकता है कि हम कुछ कह पाएं।'' रूबियो की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच पर्दे के पीछे गहन बातचीत चल रही है। उन्होंने वाशिंगटन के इस दृढ़ रुख को दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी। रूबियो ने कहा, ईरान कभी भी परमाणु हथियार नहीं बना सकता। जलडमरूमध्य बिना किसी शुल्क के खुला रहना चाहिए, और उन्हें अपना संवर्धित एवं अतिसंवर्धित यूरेनियम सौंपना होगा। राष्ट्रपति का यही रुख हमेशा से रहा है। उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि इस मामले का कूटनीतिक रूप से समाधान हो जाएगा, तथा शायद मेरी यात्रा के दौरान इस विषय पर और भी चर्चा करने को मिलेगी।''

विश्व भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनना चाहता है : मोदी

■ प्रधानमंत्री मोदी ने 'रोजगार मेले' में 51,000 से अधिक युवाओं को केंद्र सरकार की नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र डिजिटल माध्यम से वितरित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत की अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां देश के युवाओं के हित को ध्यान में रखकर सोच-समझकर और उद्देश्यपूर्ण तरीके से बनाई गई हैं। मोदी ने यह भी बताया कि दर्जनों देशों का प्रतिनिधित्व करने वालीं वैश्विक कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने भारत के युवाओं और देश की तकनीकी प्रगति की चर्चा की है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'रोजगार मेले' में 51,000 से अधिक युवाओं को केंद्र सरकार की नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र डिजिटल माध्यम से वितरित किए और कहा कि आने वाले वर्षों में 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने में युवाओं की अहम भूमिका होगी।

अपनी पांच देशों की हालिया यात्रा का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, ''इस दौरान मेरी दर्जनों देशों की बड़ी-बड़ी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा हुई, और हर जगह मैंने एक बात समान रूप से महसूस की है कि दुनिया, भारत के युवाओं और भारत की तकनीकी प्रगति को लेकर बहुत उत्साहित है।'' उन्होंने कहा कि विश्व भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनना चाहता है।

सहज स्मृति योग

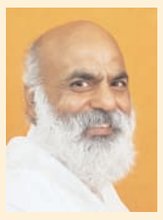

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरु जी एक ओर तो आप कहते हैं कि परम तत्व अंततः अज्ञेय ही है दूसरी और बहुत कुछ बताते भी जाते हैं तो इस बताए हुए को हम कैसे देखें?

उत्तर: आपका प्रश्न वास्तव में यह है कि जब परम् तत्व (परमात्मा) अज्ञेय है तो आपसे या किसी से भी प्राप्त ज्ञान को परम ज्ञान या वास्तविक ज्ञान है, यह कैसे भरोसा करें ? भरोसा चरित्र और विवेक के आधार पर ही किया जाता है क्योंकि न चरित्र और न ही विवेक में द्वेष ठहर पाता है। चरित्र और विवेक दोनों ही अपने और दूसरे में अंतर नहीं कर सकते, क्योंकि उनके अस्तित्व का आधार ही अद्वैत/सम/एक होने पर टिका है। इसलिए इनके अभाव में भरोसा ठहर नहीं पाता। हम में से हरेक के निर्णय उसके अपने चरित्र और विवेक पर ही आश्रित होते हैं। इसे ऐसे ही देखना चाहिए। परम ज्ञान क्या है और क्या नहीं है; यह जानने का दावा उस स्वयं उसी अज्ञेय परमात्मा के सिवाय कोई और कर भी सकता है क्या बिना हास्यास्पद हुए! साधु संतों ने इसे संकेत में यूँ कहा है कि जिसे परमात्मा चाहे वही उन्हें जान पाता है और जान लेने पर द्वैत (अन्तर) समाप्त सा हो जाता है।

देवी उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बंगारदा मानव डॉ राजकुमार गेलेयरा बलगा केंपापुरा अग्रहारा द्वारा आयोजित बेंगलूरु नगर देवता अण्णम्मा देवी वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मारुति मेडिकल के प्रमुख महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

दिल्ली में भीषण गर्मी

बेहोश होकर आसमान से गिर रहे कबूतर समेत अन्य पक्षी, आवारा जानवर बेहाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के पशु चिकित्सकों और पशु अधिकार कार्यकर्ताओं का कहना है कि शहर में भीषण गर्मी के कारण कबूतर समेत अन्य पक्षी आसमान से बेहोश होकर गिर रहे हैं और आवारा जानवर भी बेहाल हैं। उनका कहना है कि निर्जलीकरण के कारण कई चीलों को सड़क किनारे पड़े देखा गया है। पशु चिकित्सकों और कार्यकर्ताओं ने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में निर्जलीकरण, लू लगने और संक्रमण से पीड़ित पक्षियों और आवारा जानवरों से संबंधित फोन कॉल में तेजी से वृद्धि हुई है।

पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में भीषण गर्मी पड़ रही है, कई इलाकों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में 'अभय दानम पक्षी एवं पशु अस्पताल' के एक चिकित्सक ने बताया कि रोजाना अस्पताल में पक्षियों से जुड़ी गर्मी से संबंधित बीमारियों के लगभग 20 मामले आ रहे हैं, जो हाल के हफ्तों में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हैं। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हमारे पास आने वाले अधिकांश पक्षी कबूतर हैं। इनमें से बड़ी संख्या में 'पीजियन पॉक्स' से पीड़ित हैं, जो अत्यधिक गर्मी और खराब मौसम में अधिक फैलता है। घोड़ों और गायों के अलावा, हमारे पास अन्य प्रकार के पक्षी भी आ रहे हैं जिन्हें निर्जलीकरण, लू लगने और चलने-फिरने में असमर्थता जैसी स्थितियों के कारण लाया जा रहा है।'' शाहदरा और चांदनी चौक क्षेत्रों में काम करने वाले एक पशु चिकित्सक ने बताया कि उन्हें वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 70 से 80 ऐसे मामले मिल रहे हैं जिनमें पक्षी निर्जलीकरण, सांस लेने में तकलीफ और गर्मी से संबंधित परेशानी से पीड़ित हैं। 'पीपल फॉर एनिमल्स' की मंता सिद्धू ने बताया कि गर्मियों के दौरान उनका संगठन पानी की कमी और पाचन संबंधी संक्रमण से पीड़ित कई आवारा कुत्तों, बिल्लियों और अन्य जानवरों को बचा रहा है। उन्होंने कहा, ''गर्मियों में कूड़ा बहुत तेजी से सड़ता है। जब जानवर कूड़े के ढेरों से खाना खाते हैं, तो उन्हें विषाक्तता और पाचन संबंधी संक्रमण हो जाते हैं।''

सिद्धू ने निवासियों से अपने आस-पड़ोस में जानवरों के लिए पीने के पानी के कटोरे रखने और छायादार विश्राम स्थल बनाने का आग्रह किया।

मई में मजबूत बनी हुई है निर्यात वृद्धि की रफ्तार : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि मई के पहले तीन सप्ताह के दौरान देश के निर्यात में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है।

गोयल ने कहा कि वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल के माहौल के बावजूद भारत निर्यात और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में बेहतर वृद्धि दर्ज करते हुए लगातार वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैंने पिछले तीन सप्ताह के निर्यात आंकड़े देखे हैं। अप्रैल में जो वृद्धि दर देखने को मिली थी, वह मई में भी जारी है। हमने अनेक प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद मजबूती दिखाई है।

अप्रैल में देश का निर्यात 13.78 प्रतिशत बढ़कर 43.56 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो चार वर्ष से अधिक समय में मासिक आधार पर सबसे ऊंचा स्तर है। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के कारण पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में हुई बढ़ोतरी इसका प्रमुख कारण रही। हालांकि, आयात बढ़ने से देश का व्यापार घाटा तीन महीने के उच्च स्तर 28.38 अरब डॉलर पर पहुंच गया। गोयल ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में एफडीआई बढ़कर रिकॉर्ड 95 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो सालाना आधार पर 17 प्रतिशत अधिक है।

जम्मू कश्मीर के कई कैदी बिना मुकदमे जेलों में बंद हैं : पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को कहा कि यह एक ''त्रासदी'' ही है कि जम्मू कश्मीर के कई कैदी बिना मुकदमे के अपने परिवारों से दूर जेलों में बंद हैं।

मुफ्ती ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि लोकसभा सांसद शेख अब्दुल रशीद उर्फ इंजीनियर रशीद के परिवार की तरह कई परिवार अपने परिजनों की लंबी हिरासत के कारण पीड़ा झेल रहे हैं। वह उत्तर कश्मीर के कुपवाड़ा में रशीद के पिता के निधन पर शोक व्यक्त करने उनके घर गई थीं। उन्होंने कहा, ''इंजीनियर रशीद की कहानी जम्मू कश्मीर के अधिकांश घरों की कहानी है, क्योंकि हमारे हजारों लोग जेलों में बंद हैं और उनमें से अधिकतर केंद्र शासित प्रदेश से बाहर की जेलों में हैं।'' रशीद को हाल ही में अपने पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए जमानत पर रिहा किया गया था। उनके पिता का नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया था। उत्तर कश्मीर के बारामूला से सांसद रशीद ने 2024 के लोकसभा चुनाव में उमर अब्दुल्ला और सज्जाद लोन को हराया था। वह आतंकवाद के वित्तपोषण मामले में मुकदमे का सामना कर रहे हैं। उनपर जम्मू कश्मीर में अलगाववादियों और आतंकी समूहों को वित्त पोषण देने के आरोप हैं।

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण ने उन्हें 2017 के आतंकवाद के वित्त-पोषण मामले में गिरफ्तार किया था, जिसके बाद से वह 2019 से दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। पीडीपी प्रमुख ने कहा, ''इंजीनियर रशीद एक मौजूदा सांसद हैं। अदालत ने शायद उन्हें अपने पिता से मिलने और अंतिम संस्कार में शामिल होने के दबाव के चलते कुछ राहत दी, लेकिन कई अन्य लोग 2019 से जेल में हैं, जिनके माता-पिता अपने बेटों को आखिरी बार देखे बिना दुनिया छोड़ गए।''

देश में राजनीतिक नेतृत्व तैयार करने की कोई व्यवस्था नहीं : आर्लेकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। तमिलनाडु के राज्यपाल राजेंद्र आर्लेकर ने देश में नेताओं के लिए कोई न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता तय नहीं होने पर शनिवार को अफसोस जताया और युवाओं से सार्वजनिक जीवन में आने से पहले खुद को ज्ञान एवं जागरूकता से लैस करने का आग्रह किया। आर्लेकर ने यहां 'राष्ट्रीय युवा संसद' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मौजूदा व्यवस्था पर गंभीर आत्मचिंतन करने की जरूरत पर बल दिया और कहा कि देश में अपने राजनीतिक नेतृत्व को तैयार करने की कोई प्रणाली नहीं है।

आर्लेकर ने गोवा के राज्यपाल पी. अशोक गजपति राजू के साथ इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी द्वारा अक्सर सुनाए जाने वाले एक प्रसंग और हिंदी कवि काका हाथरसी की एक व्यंग्यात्मक कविता का उल्लेख करते हुए राजनीति और अन्य पेशों के बीच अंतर को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि कार चलाने तक के लिए बुनियादी योग्यता, प्रशिक्षण और लाइसेंस की जरूरत होती है तथा कानून, चिकित्सा, शिक्षण और यहां तक कि शुरुआती स्तर की सरकारी नौकरियों जैसे पेशों में भी न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता जरूरी होती है।

केरल का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे आर्लेकर ने कहा, ''...लेकिन राजनीति में ऐसी कोई अनिवार्यता नहीं है। बुनियादी शैक्षणिक योग्यता के बिना भी कोई व्यक्ति मंत्री बन सकता है।'' उन्होंने कहा कि यह स्थिति गंभीर आत्मचिंतन की जरूरत को दर्शाती है, खासकर ऐसे समय में जब शासन और नीति-निर्माण के लिए गहरी समझ और जिम्मेदारी की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के लिए प्रशिक्षण होता है, लेकिन नेता बनने के लिए कौन-सा प्रशिक्षण जरूरी है? दुर्भाग्य से, हमारे पास राजनीति में नेताओं में विकसित करने की कोई व्यवस्था नहीं है।''

राज्यपाल ने कहा कि युवाओं को राजनीति में जागरूक नेतृत्व लाने के लिए खुद को तैयार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजनीति में ऐसे कम से कम एक लाख समर्पित युवाओं को लाने का आह्वान किया है, जिन्हें भारत के इतिहास, भूगोल और संवैधानिक ढांचे की अच्छी समझ हो।

आर्लेकर ने कहा कि देश का भावी नेतृत्व ऐसी पीढ़ी से उभरना चाहिए, जो भारत की सांस्कृतिक एकता, ऐतिहासिक यात्रा और विकास संबंधी आकांक्षाओं को समझती हो।

आर्लेकर ने युवाओं से इस जिम्मेदारी को गंभीरता से लेने और सार्वजनिक जीवन में कदम रखने से पहले शिक्षा, जागरूकता तथा राष्ट्रीय उद्देश्य की भावना से खुद को लैस करने का आग्रह किया। उन्होंने साथ ही कहा कि विकसित भारत का विचार केवल आर्थिक वृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें शिक्षा, समाज और शासन में प्रगति भी शामिल है। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत 2047' को समग्र और समावेशी विकास के रूप में समझा जाना चाहिए।

तेलंगाना में लू की चपेट में आने के कारण 16 लोगों की मौत : राजस्व मंत्री श्रीनिवास रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के राजस्व मंत्री पी. श्रीनिवास रेड्डी ने शनिवार को कहा कि राज्य में लू की चपेट में आने के कारण 16 लोगों की मौत हो गई है।

रेड्डी ने लू के कारण उत्पन्न स्थिति पर अधिकारियों के साथ बैठक की और बताया कि राज्य के सात जिलों में 16 लोगों की मौत हुई है।

मंत्री ने जिलाधिकारियों से प्राप्त रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि जयशंकर भूपलपल्ली जिले में चार लोगों की मौत हुई जबकि वारंगल, करीमनगर और निजामाबाद में तीन-तीन और जोगुलम्बा गडवाल, रंगा रेड्डी और सूर्यापेट जिलों में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई।

उन्होंने कहा कि सरकार मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए की अनुग्रह राशि प्रदान करेगी। राजस्व मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अत्यधिक तापमान वाले गांवों की पहचान करें और मीडिया, सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से उन गांवों में गर्मी के बारे में चेतावनी जारी करें। उन्होंने कहा कि बस स्टेशन, बाजारों, प्रमुख सड़कों और उन स्थानों पर जहां बड़ी संख्या में श्रमिक काम करते हैं, पीने का पानी और ओआरएस के पैकेट उपलब्ध कराए जाएं।

मंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों, गर्भवती महिलाओं, बच्चों और अस्वस्थ लोगों से पूर्वाह्न 11 बजे से शाम चार बजे के बीच घर से बाहर न निकलने का आग्रह किया।

13वें पुण्यस्मरण पर हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पण

जन्म
12.10.1956

स्वर्गवास
24.05.2013

स्व. श्री जयंतीलालजी मरड़िया

(सुपुत्र-श्रीमती त्रिजादेवी भबूतमलजी मरड़िया)

बड़ों का आदर करने, छोटों पर असीम स्नेह की वर्षा करने, सब परिवारजनों के साथ स्नेहभरा सामंजस्य स्थापित कर अटूट पारिवारिक बंधन को हमेशा मजबूत करने की प्रेरणा देने वाली इस दिव्यात्मा के सद्कर्म सदैव हमारा मार्ग प्रशस्त करते रहें, यही परमात्मा से प्रार्थना है। हम सबकी ओर से दिवंगत पुण्यात्मा को सादर विनम्र श्रद्धांजलि।

श्रद्धावनत

कुसुम मरड़िया (धर्मपत्नी)

प्रकाश, जितेन्द्र, हंसमुख (अनुज)

अंकित-सपना, चिराग-मिनाक्षी (पुत्र-पुत्रवधु)

पीयूष, विशाल, आशीष, विनित(भतीज), प्रणव(पौत्र), जस्विका(पौत्री)

समस्त मरड़िया परिवार, बेंगलूर (मंडार-राज.)

पश्चिम एशिया संघर्ष का असर दो महीने से अधिक नहीं रहेगा : सज्जन जिंदल

नागपुर/भाषा। जेएसडब्ल्यू ग्रुप के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने शनिवार को कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष का असर दो महीने से अधिक नहीं रहेगा और उद्योगों के बड़े पूंजीगत व्यय के दम पर भारत की वृद्धि की कहानी जारी रहेगी। भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) नागपुर के 10वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि बनकर आए जिंदल ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि उद्योग लंबी अवधि की योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने वित्त वर्ष 2026-27 में पूंजीगत खर्च को लेकर अपनी उम्मीदों और निवेश पर पश्चिम एशिया संघर्ष के प्रभावों के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब दिए।

उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया का संघर्ष भारत की औद्योगिक वृद्धि के लिए एक छोटा सा झटका है। उन्होंने कहा, ''हालांकि, हर कोई समझता है कि यह अस्थायी है। यह एक हफ्ते या एक महीने में, या अधिक-से-अधिक दो महीने में खत्म हो सकता है।''

फडणवीस ने ईंधन की कालाबाजारी के खिलाफ चेतावनी दी, किसानों को डीजल की आपूर्ति का आश्वासन दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिरडी/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ईंधन आसानी से उपलब्ध नहीं हो पा रहा है, इसलिए उन्होंने अधिकारियों को किसानों को डीजल की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

फडणवीस ने यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान किसानों के नाम पर ईंधन की कालाबाजारी के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी और कहा कि राज्य के कुछ हिस्सों में बिक्री में अचानक 20 से 30 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

मुख्यमंत्री रक्षा एवं अंतरिक्ष परिसर के उद्घाटन में भाग लेने के लिए शहर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ईंधन की कमी की खबरों के मद्देनजर जिला प्रशासन को किसानों के लिए डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा, ग्रामीण क्षेत्रों में फिलहाल पेट्रोल और डीजल उपलब्ध नहीं हैं। इस संबंध में मैंने सभी जिलाधिकारियों और संभागीय आयुक्तों को निर्देश जारी किए हैं कि जहां भी आवश्यक हो, किसानों को डीजल उपलब्ध कराया जाए।

पश्चिम एशिया संकट के कारण ईंधन आपूर्ति में संभावित व्यवधान की आशंका से घबराहट में खरीदारी के बीच महाराष्ट्र में मई के पहले पखवाड़े में पेट्रोल और डीजल की बिक्री में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

वंदे भारत ट्रेन से शिरडी पहुंचे फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस ट्रेन सेवा के जरिये देश को एक अद्वितीय उपहार दिया है, जो विश्व के विकसित देशों के समकक्ष है। उन्होंने कहा, मुझे यह अनुभव बेहद सुखद लगा। यात्रा के दौरान मैंने कई फाइल का निपटारा किया और कई लोगों से मुलाकात की। यह एक बिल्कुल अलग और बहुत ही अच्छा अनुभव था।

शिरडी के रक्षा परिसर के बारे में फडणवीस ने कहा कि यह शहर भक्ति और शक्ति दोनों का प्रतीक बनकर उभरा है। उन्होंने कहा, शिरडी अब शक्ति के केंद्र के रूप में उभरा है। यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। भक्ति और शक्ति भारतीय आध्यात्मिकता में समाहित हैं। केवल शक्तिशाली ही शांति स्थापित कर सकते हैं। कमजोर कभी शांति स्थापित नहीं कर सकते।

देश में पेट्रोल-डीजल की समग्र किल्लत नहीं, कुछ जगहों पर स्थानीय समस्या : इंडियन ऑयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश की सबसे बड़ी पेट्रोलियम विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने देश में पेट्रोल एवं डीजल की समग्र किल्लत से इनकार करते हुए शनिवार को कहा कि कुछ पेट्रोल पंपों पर ईंधन की कमी होने से संबंधित खबरें 'बेहद स्थानीय' और अस्थायी प्रकृति की हैं जो क्षेत्रीय मांग-आपूर्ति असंतुलन और बिक्री के प्रारूप में बदलाव का नतीजा हैं। आईओसी ने कहा कि कुछ पेट्रोल पंपों पर बढ़ी हुई मांग का कारण फसल कटाई के समय डीजल की खपत में मौसमी वृद्धि, अपेक्षाकृत अधिक कीमत वाले निजी पेट्रोल पंपों से ग्राहकों का सरकारी क्षेत्र के पंपों की तरफ स्थानांतरण और थोक ईंधन की कीमतों में अंतरराष्ट्रीय दरों के अनुरूप वृद्धि के कारण संस्थागत खरीद में बढ़ोतरी है।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने एक बयान में कहा कि एक से 22 मई के दौरान पेट्रोल की बिक्री में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि डीजल की बिक्री लगभग 18 प्रतिशत बढ़ी जो मांग में निरंतर और अत्यंत उच्च वृद्धि को दर्शाता है, जिसे वह देशभर में पूरा कर रही है। आईओसी ने कहा, हम ग्राहकों और आम जनता को यह आश्वस्त करना चाहते हैं कि देश में पेट्रोल और डीजल की कोई समग्र किल्लत नहीं है। कुछ खुदरा केंद्रों पर देखी जा रही स्थिति अत्यंत स्थानीय और अस्थायी है, जो स्थानीय मांग-आपूर्ति असंतुलन तथा चुनिंदा क्षेत्रों में बिक्री प्रवृत्ति के पुनर्संतुलन के कारण उत्पन्न हुई है।

बयान के मुताबिक, आईओसी के 42,000 से अधिक पेट्रोल पंपों के नेटवर्क में बहुत ही कम जगहों पर आपूर्ति बाधित हुई है, जबकि अधिकांश पंपों पर भंडार और आपूर्ति सामान्य एवं पर्याप्त बनी हुई है। आईओसी ने कहा कि सरकारी तेल विपणन कंपनियां देशभर में पर्याप्त ईंधन भंडार बनाए हुए हैं तथा अलग-अलग क्षेत्रों में उत्पन्न इन सीमित बाधाओं को दूर करने और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रही हैं। आईओसी ने कहा, मांग में इस निरंतर और अत्यंत उच्च वृद्धि के बावजूद इंडियन ऑयल देशभर में ग्राहकों की जरूरतों को लगातार पूरा कर रही है। कंपनी ने उपभोक्ताओं से घबराकर खरीदारी से बचने की अपील करते हुए निर्बाध ईंधन उपलब्धता बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराई।

शिलान्यास

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार शनिवार को बेंगलूरु के बाहरी इलाके सूर्यनगर में नए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के शिलान्यास समारोह के दौरान समर्थकों द्वारा माला पहनाकर स्वागत किया।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या शनिवार को बेंगलूरु के सूर्यनगर में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के शिलान्यास समारोह के दौरान क्रिकेट में हाथ आजमाते हुए।

अनेकल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के बाहरी इलाके में कर्नाटक-तमिलनाडु सीमा के पास स्थित अनेकल में केएचबी सूर्य स्पोर्ट्स विलेज में प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास शनिवार को किया । राज्य सरकार के अनुसार, कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड द्वारा विकसित किया जा रहा यह स्टेडियम क्षमता के लिहाज से देश का दूसरा सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम होगा। अधिकारियों के मुताबिक इस प्रस्तावित स्टेडियम में 80,000 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था होगी। फिलहाल नरेंद्र मोदी स्टेडियम देश का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार परियोजना की आधारशिला रखेंगे। सूत्रों के मुताबिक कार्यक्रम में कई पूर्व क्रिकेटरों के शामिल होने की भी संभावना है। सरकार का कहना है कि नए स्टेडियम के निर्माण का उद्देश्य एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर निर्भरता कम करना है। यह कदम चिन्नास्वामी स्टेडियम से जुड़े सुरक्षा संबंधी विवादों के बाद उठाया गया है। चार जून 2025 को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु की जीत के जश्न के दौरान वहां मची भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 50 से अधिक लोग घायल हुए थे। इसके बाद बड़े मुकाबलों को इस मैदान से हटाने की मांग तेज हो गई थी।

अवैध तरीके से मवेशी रखे जाने के बारे में पूछताछ करने वाले दो लोगों पर भीड़ ने किया हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के बाहरी इलाके में मवेशियों और ऊंटों के कथित अवैध परिवहन और रखने की जांच के दौरान कुछ अज्ञात लोगों के समूह ने दो लोगों पर हमला कर दिया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार घटना शुक्रवार देर रात अनुगोंडनहल्ली थाना क्षेत्र के मेडिमल्लासंद्रा गांव में हुई। पुलिस ने बताया कि यह मामला भारतीय पशु कल्याण बोर्ड के मानद पशु कल्याण अधिकारी संजय कुलकर्णी की शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। प्राथमिकी के अनुसार, कुलकर्णी को सूचना मिली थी कि मेडिमल्लासंद्रा गांव में बकरीद के दौरान कथित तौर पर कुर्बानी के लिए 20 से अधिक ऊंट और कई गायें रखी गई हैं।

सूचना मिलने पर कुलकर्णी, स्वयंसेवक मंजुनाथ और चार पुलिसकर्मियों के साथ रात करीब 2:15 बजे मौके पर पहुंचे। हालांकि शिकायत के मुताबिक, उनके पहुंचने तक जानवरों को वहां से कथित रूप से हटा दिया गया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि इस दौरान लोगों का एक समूह इकट्ठा हो गया और उन पर चिल्लाने लगा, जिसके बाद टीम गांव में एक प्लाईवुड फैक्टरी के पास दूसरे स्थान पर गई, जहां 10 गायों को कथित तौर पर अवैध रूप से रखा पाया।

शिकायत में कहा गया है कि वहां मौजूद बड़ी संख्या में अज्ञात लोगों ने कुलकर्णी और स्वयंसेवक पर मुक्कों, पत्थरों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया, जिससे उनकी गर्दन, चेहरे व सिर पर चोट आई। उनके साथ मौजूद पुलिसकर्मियों ने बाद में घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। कुलकर्णी की शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। गौ ज्ञान फाउंडेशन से भी जुड़े कुलकर्णी ने इस घटना को चौंकाने वाला बताया। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तथा मुखबिरों व पशु कल्याण कार्यकर्ताओं को तत्काल सुरक्षा देने की मांग की।

पुलिस ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' के कार्यक्रम को लेकर स्वतंत्र निर्णय लिया : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने शनिवार को कहा कि पुलिस ने कानून-व्यवस्था और अन्य प्रासंगिक पहलुओं का आकलन करने के बाद एक अज्ञात समूह (कॉकरोच जनता पार्टी) के प्रस्तावित कार्यक्रम को अनुमति देने से इनकार करने का स्वतंत्र निर्णय लिया। परमेश्वर ने यह बयान संवाददाताओं द्वारा पुलिस की ओर से रविवार को बेंगलूरु में होने वाले कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) सम्मेलन के लिए अनुमति देने से इनकार करने संबंधी खबरों के बारे में पूछे जाने पर दिया।

बेंगलूरु पुलिस ने शुक्रवार को जनता को टाउन हॉल के पास 24 मई को सीजेपी कर्नाटक इकाई द्वारा प्रस्तावित 'शांतिपूर्ण मानव शृंखला' कार्यक्रम में भाग लेने या सोशल मीडिया संदेशों को प्रसारित करने के खिलाफ चेतावनी दी। उसने स्पष्ट किया था कि इस तरह के आयोजन के लिए कोई अनुमति नहीं दी गई है। पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एक पोस्ट का हवाला दिया, जिसमें सीजेपी ने लोगों को रविवार को बेंगलूरु के टाउन हॉल के सामने शांतिपूर्ण मानव शृंखला प्रदर्शन के लिए बड़ी संख्या में इकट्ठा होने का आह्वान किया था। परमेश्वर ने पुलिस द्वारा सीजेपी के कार्यक्रम को अनुमति नहीं देने के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, पुलिस ऐसे आयोजन के उद्देश्य, इसमें शामिल लोगों और अन्य संबंधित पहलुओं की जांच करती है। इसी आकलन के आधार पर पुलिस अनुमति देने या न देने का निर्णय लेती है। यदि उन्होंने अनुमति देने से इनकार किया है, तो इसके पीछे कुछ कारण जरूर होंगे।

मंत्री ने कहा कि पुलिस अधिकारी बड़े समारोहों और सम्मेलनों के संबंध में निर्णय लेने से पहले सभी प्रासंगिक कारकों का स्वतंत्र रूप से आकलन करते हैं। उन्होंने संकेत दिया कि अनुमति देने या अस्वीकार करने में कानून व्यवस्था प्राथमिक कारण होती है। गृह मंत्री की यह टिप्पणी सीजेपी के प्रस्तावित कार्यक्रम से जुड़े विवाद और इस अटकलबाजी के बीच आई है कि क्या आयोजकों को सम्मेलन आयोजित करने की अनुमति दी जाएगी।

कर्नाटक मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को कलबुर्गी जिले के आलंद तालुक में लाडले मशक दरगाह में मार्च 2022 में हुई हिंसक घटना के दौरान लोगों के खिलाफ दर्ज दंगा मामलों को वापस लेने का फैसला किया है। राज्य की मुख्य विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)ने इस फैसले को अदालत में चुनौती देने का फैसला किया है।

भाजपा के कदम पर परमेश्वर ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, यह उन पर निर्भर है। हम इस बारे में उन्हें सलाह नहीं दे सकते। मंत्रिमंडल में फेरबदल और राज्यसभा चुनावों को लेकर चल रही अटकलों पर परमेश्वर ने कहा कि ये फैसले पार्टी नेतृत्व पर निर्भर करते हैं।

प्रशिक्षु का उत्पीड़न करने के आरोप में बॉक्सिंग कोच पर पॉक्सो के तहत मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के बेंगलूरु में 50 वर्षीय मुक्केबाजी प्रशिक्षक पर प्रशिक्षु का यौन उत्पीड़न करने और परिवार को धमकी देने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। संपंगीरामनगर थाने में यौन उत्पीड़न से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता, 2023 के संबंधित प्रावधानों के तहत दर्ज की गई प्राथमिकी में प्रशिक्षक का नाम व चार दिसंबर, 2025 से 22 मई, 2026 तक की कथित घटनाओं का विवरण दिया गया है। पुलिस ने बताया कि 17 वर्षीय लड़की की मां द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, 17 मई को जब उनकी बेटी मुक्केबाजी प्रतियोगिता के लिए चेन्नई गई थी, तब प्रशिक्षक ने उसे अपने कमरे में बुलाया और उसके साथ दुर्व्यवहार किया। शिकायतकर्ता ने पुलिस को यह भी बताया कि कोच ने उसे धमकी दी थी कि वह उक्त घटना के बारे में किसी को न बताये। प्राथमिकी के अनुसार, लड़की लगभग 10 वर्षों से प्रशिक्षण ले रही है और लगभग चार वर्ष पहले से कोच ने उससे अनुचित व्यवहार करना शुरू किया था लेकिन पिछले पांच से छह महीनों में इस तरह का बर्ताव बढ़ गया था।

कलबुर्गी में क्रूजर कार और लॉरी की भीषण टक्कर, पांच लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी । कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में एक क्रूजर वाहन और लॉरी के बीच हुई आमने-सामने की भीषण टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि हादसे का शिकार हुए सभी पांचों मृतक आपस में रिश्तेदार थे। पुलिस के अनुसार, यह हादसा शुक्रवार देर रात कलबुर्गी जिले के चित्तापुर तालुक के लाडलापुर गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ।

पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान चित्तापुर तालुक के इंगलागी गांव निवासी तोलुसाब काशवार (27), हुसैन शाह (48), मैबूब अली (45), रसूल बी (42) और फातिमा अली (38) के रूप में हुई है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मृतकों के एक रिश्तेदार को शुक्रवार रात निमोनिया संबंधी दिक्कत होने के बाद, आठ लोग उसे इलाज के लिए यादगीर शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराने क्रूजर वाहन से गए थे।

उन्होंने बताया कि मरीज को अस्पताल में भर्ती कराने के बाद जब चालक समेत पांच लोग घर लौट रहे थे, तभी रात करीब 11 बजकर 40 मिनट पर तमिलनाडु की एक लॉरी ने क्रूजर वाहन को सामने से टक्कर मार दी।

अधिकारी के मुताबिक, टक्कर इतनी भीषण थी कि क्रूजर वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार सभी पांचों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद लॉरी चालक मौके से फरार हो गया। इस संबंध में वाडी पुलिस थाने में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए वाडी के सरकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया है।

राजनीतिक पराधीनता और आंतरिक कमियां हिंदू सभ्यता के पतन के प्रमुख कारणों में शुमार : शशि रंजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के सचिव शशि रंजन कुमार ने शनिवार को कहा कि राजनीतिक पराधीनता और आंतरिक कमियां हिंदू सभ्यता के पतन के प्रमुख कारणों में शामिल थे। बेंगलूरु में अपनी पुस्तक 'द डिक्लाइन ऑफ हिंदू सिविलाइजेशन: लेसंस फ्रॉम द पास्ट' पर एक संवाद कार्यक्रम में कहा कि 'अन्विक्षिकी' यानी आलोचनात्मक/तार्किक परख भारतीय बौद्धिक परंपराओं की नींव रही है।

बेंगलूरु विश्वविद्यालय के संचार विभाग, डॉ. मनमोहन सिंह बेंगलूरु सिटी विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, कर्नाटक राज्य पत्रकारिता एवं जनसंचार शिक्षक संघ और इंडियन कम्युनिकेशन कांग्रेस ने मिलकर बेंगलूरु विश्वविद्यालय के सेंट्रल कॉलेज में यह कार्यक्रम आयोजित किया था। कुमार ने कहा कि भारत का इतिहास केवल राजनीतिक बदलावों का लेखा-जोखा नहीं है, बल्कि ज्ञान, विज्ञान व दर्शन की सतत खोज की यात्रा है। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारत ने गणित, खगोल विज्ञान, चिकित्सा और दर्शन में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की थीं। कुमार ने यह भी कहा कि भारतीय सभ्यता ने दुनिया को 'शून्य' की अवधारणा दी।

हिंदू सभ्यता के पतन पर चर्चा करते हुए कुमार ने कहा कि बौद्धिक परंपराओं का कमजोर होना, राजनीतिक पराधीनता और आंतरिक कमजोरियों के कारण ऐसा हुआ। उन्होंने कहा, समृद्ध बौद्धिक परंपराएं राजनीतिक पराधीनता और आंतरिक खामियों के कारण धीरे-धीरे कमजोर पड़ गईं।

भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण एरोबैटिक टीम बेंगलूरु में टीम की 30वीं वर्षगांठ समारोह से पहले फुल-ड्रेस रिहर्सल के दौरान करतब दिखाती हुई।

सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम कर्नाटक के बीदर में अपनी 30वीं सालगिरह मनाएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम 26 मई को बीदर वायुसेना स्टेशन पर अपनी 30वीं सालगिरह मनाएगी, जिसमें भारत और विदेशों में शानदार हवाई प्रदर्शनों के तीन गौरवशाली दशकों का जश्न मनाया जाएगा। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि 'भारतीय वायुसेना के राजदूत' के रूप में लोकप्रिय नौ विमानों की यह टीम कम ऊंचाई पर रोमांचकारी करतबों के साथ पेशेवर उड़ान के माध्यम से लाखों लोगों को प्रेरित कर चुकी है। प्रेस सूचना ब्यूरो के रक्षा प्रकोष्ठ द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, 'सूर्यकिरण' का गठन 27 मई, 1996 को वायुसेना स्टेशन बिदर में किया गया था और शुरुआत में इसने किरण एमके-2 विमान उड़ाया था। टीम ने सितंबर 1996 में तमिलनाडु के कोयंबटूर में पहली बार सार्वजनिक रूप से प्रदर्शन किया और इस प्रकार सटीक एरोबेटिक्स में एक प्रेरणादायक यात्रा की शुरुआत की। अधिकारियों ने बताया कि पिछले तीन दशकों में, सूर्यकिरण ने 800 से अधिक प्रदर्शन किए हैं। इस टीम ने भारत के साथ-साथ चीन, श्रीलंका, म्यांमा, थाईलैंड, सिंगापुर और संयुक्त अरब अमीरात सहित विभिन्न देशों में अपने प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है। उन्होंने बताया, नवाचार और उत्कृष्टता की अपनी विरासत को जारी रखते हुए, टीम 2015 से ही हॉक एमके-132 विमान का संचालन कर रहा है। अधिकारियों ने बताया कि टीम के पायलट जटिल एरोबेटिक प्रदर्शन में त्रुटिहीन समन्वय के साथ महारत हासिल करने के लिए कठोर और गहन प्रशिक्षण लेते हैं।

टीवीके सदस्यों को जातिगत भेदभाव के बिना मंत्री बनाया गया : मंत्री रमेश

तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु)/भाषा। हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती मंत्री एस. रमेश ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में टीवीके सदस्यों को जाति का ध्यान रखे बिना और पार्टी के धर्मनिरपेक्ष और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के आधार पर मंत्री बनाया गया है। इस आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए कि उन्हें केवल ब्राह्मण होने के कारण ही इस विभाग का मंत्री बनाया गया है, रमेश ने कहा कि लोगों ने विजय को सरकार बनाने का जनादेश दिया है, न कि तमिलगा वेत्री कषगम के किसी व्यक्ति को। रमेश ने यहां पत्रकारों से कहा, ना तो मुझे और ना ही विधानसभा के उपाध्यक्ष रवि शंकर को जातिगत पहचान के आधार पर वोट मिले, बल्कि हमें वोट मुख्यमंत्री के नेतृत्व के कारण मिले। लोगों ने मुख्यमंत्री को जाति और धर्म से परे अपने परिवार का सदस्य माना और यही धारणा पार्टी के उम्मीदवारों और मंत्रियों के लिए भी थी। उन्होंने कहा, हमें जाति के आधार पर कोई पद नहीं दिए गए। पार्टी में शामिल होते समय हमने समाज सुधारक पेरियार (ईवी) रामासामी और बी.आर. अंबेडकर के सिद्धांतों को अपनाया था। हमारे सिद्धांत धर्मनिरपेक्ष सामाजिक न्याय पर आधारित हैं, इसलिए यहां जाति, धर्म या लिंग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं है। हमें सेवा भाव के कारण मंत्री बनाया गया।

सतीशन ने सोनिया, राहुल से मुलाकात की

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम/भाषा। वी. डी. सतीशन ने केरल के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभालने के बाद दिल्ली की अपनी पहली यात्रा के दौरान सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे सहित कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से शनिवार को मुलाकात की।

सतीशन ने इस दौरान कांग्रेस महासचिव (संगठन) के. सी. वेणुगोपाल और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा से भी मुलाकात की। पार्टी सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री शुक्रवार देर रात राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे और उन्होंने विधानसभा चुनाव प्रचार

के दौरान सहयोग के लिए कांग्रेस आलाकमान का आभार जताया।

सूत्रों के अनुसार, वरिष्ठ नेताओं के साथ चर्चा में संगठनात्मक मामलों और केरल में नवगठित संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार के कामकाज से जुड़े मुद्दों पर प्रमुखता से बातचीत हुई। यह यात्रा ऐसे समय हुई है, जब पार्टी के भीतर केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के नए अध्यक्ष के चयन को लेकर चर्चा जारी है। ऐसे संकेत मिले हैं कि मुख्यमंत्री अगले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी मुलाकात कर सकते हैं, हालांकि इस बारे में तत्काल कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई। इससे पहले, सतीशन के दिल्ली पहुंचने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

एसडीपीआई ने टीवीके सरकार में और मुस्लिम मंत्रियों की मांग की

चेन्नई/भाषा। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) ने इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के ए. एम. शाहजहां और विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके) के वन्नी अरासु को तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के नेतृत्व वाले तमिलनाडु मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने का स्वागत करते हुए शनिवार को कहा कि कुछ समुदायों को उनकी आबादी के अनुपात की तुलना में मंत्रिमंडल में अधिक स्थान दिया गया है, जबकि मुस्लिम समुदाय का प्रतिनिधित्व बहुत कम है। एसडीपीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''सरकार का यह दायित्व है कि वह सभी समुदायों के लिए उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करे।''एसडीपीआई ने कहा कि सत्तारूढ़ टीवीके के कुछ और मुस्लिम विधायकों को मंत्री बनाया जाना चाहिए। पार्टी ने कहा कि सामाजिक न्याय की बात करने वाले सत्तारूढ़ दल को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके मंत्रिमंडल में कम से कम पांच मुस्लिम मंत्री हों।

एसडीपीआई ने कहा, ''इसके अलावा, मुस्लिम मंत्रियों को उनके नाम के कारण केवल अल्पसंख्यक कल्याण जैसे परंपरागत और संकुचित विभागों तक ही सीमित नहीं रखा जाना चाहिए।''

पार्टी ने कहा कि पड़ोसी राज्य केरल में मुस्लिम मंत्रियों को महत्वपूर्ण विभाग दिए गए हैं। केरल में मुस्लिम लीग सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है। एसडीपीआई ने कहा, ''इसी तर्ज पर तमिलनाडु में भी शिक्षा, उद्योग और राजस्व जैसे सरकार की नीति तय करने वाले प्रमुख विभागों के लिए मुस्लिम मंत्रियों के नाम पर विचार किया जाना चाहिए।''

राज्य सरकार ने 'ग्राम विकास चौपाल' को छवि चमकाने का अभियान बनाया : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राज्य सरकार की 'ग्राम विकास चौपाल' पर कटाक्ष करते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि सरकार ने इसे अपनी छवि चमकाने का अभियान बना दिया है। गहलोत ने एक बयान में कहा कि राजस्थान में भाजपा सरकार द्वारा आयोजित की जा रही 'ग्राम विकास चौपाल' ग्रामीण समस्याओं के समाधान का एक अच्छा अवसर थी, लेकिन सरकार ने इसे केवल छवि चमकाने का अभियान बना दिया है। उन्होंने कहा कि इन चौपालों में जहां सभी ग्रामीणों को बुलाया जाना चाहिए था, उनकी समस्याएं सुनकर हल करना चाहिए था वहां केवल भाजपा कार्यकर्ताओं और योजनाओं के लाभार्थियों को ही आमंत्रित किया जा रहा है ताकि सरकार की कोई आलोचना न सुननी पड़े।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कहा, ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री जी में अपनी सरकार की आलोचना सुनने एवं जनता की समस्याओं से रुबरु होने का माद्दा नहीं है जिसके कारण यह 'ग्राम विकास चौपाल' के बजाय 'चुनिंदा लोगों की चौपाल' बन कर रह गई है।

राज्य सरकार के 'ग्राम विकास रथ' के बारे में गहलोत ने कहा कि ये 'रथ' तो मात्र मजाक का पात्र बन कर रह गए हैं। गहलोत ने कहा, ढाई साल में सरकार ने एक भी ऐसा काम नहीं किया जिससे प्रदेश की जनता को बड़े स्तर पर लाभ हो, परन्तु विकास रथ रवाना कर दिए गए, जिनका गांवों में विरोध हो रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, पहले ग्रामीण और शहरी सेवा शिविर और अब विकास रथ, भाजपा सरकार के ये सभी अभियान विफल होते जा रहे हैं। भाजपा सरकार को जनहित में आत्ममंथन करना चाहिए कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों पैदा हो रही है।

ग्राम विकास चौपाल बनी सुशासन का सशक्त माध्यम : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रतापगढ़ के बम्बोरी, सीकर के जाजोद, अजमेर के कड़ैल, जालोर के पंसेरी, जयपुर के ठिकरिया, बांसवाड़ा के चुड़ादा एवं डूंगरपुर के धम्बोला गांव में ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रमों के जरिए ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इन चौपालों में उन्होंने महिला, किसान, पशुपालक और युवाओं से बातचीत कर गांवों की वास्तविक स्थिति को जाना। साथ ही, उन्होंने केन्द्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। मुख्यमंत्री की इस जनसंवाद की अनूठी पहल से ग्रामीणों का डबल इंजन सरकार के कार्यों के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। मुख्यमंत्री ने सात जिलों में जाकर देर रात तक ग्रामीणों से खेती-किसानी, पशुपालन और रोजगार जैसे अनेक विषयों पर बातचीत की तथा उनकी आवश्यकताओं को समझा। उन्होंने गांव में रात्रि विश्राम के बाद सुबह-सुबह घूमकर आमजन से रामा-श्यामा की तथा सड़क, शिक्षा, चिकित्सा, बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का फीडबैक लिया। उन्होंने अधिकारियों को गांवों के विकास कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री की इस संवेदनशील कार्यशैली से गांवों के विकास को नई गति मिली है।

मुख्यमंत्री से ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों ने जैविक एवं आधुनिक खेती और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर आमदनी बढ़ाने तथा महिलाओं ने राजीविका से जुड़कर उनके जीवन में आए आर्थिक बदलाव के अनुभव साझा किए। युवाओं ने पेपरलीक पर अंकुश लगाने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि प्रदेश में अब भर्ती परीक्षाएं पूर्ण पारदर्शिता से आयोजित हो रही हैं, जिससे उनका सरकारी नौकरी पाने का सपना साकार हो रहा है। संवाद में पशुपालकों ने भी मोबाइल वेटरनरी यूनिट, मंगला पशु बीमा योजना एवं दुग्ध उत्पादक संबल जैसी योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री ने सीकर के जाजोद गांव में खिलाड़ियों की मांग पर खण्डेला में खेल स्टेडियम खोलने की घोषणा की। उन्होंने बालिकाओं की स्कूल में विज्ञान संकाय की मांग को सुबह-सुबह आदेश जारी करवाकर पूरा किया। वहीं, प्रातः भ्रमण के दौरान एक वीरांगना की भावनात्मक अपील पर भीलवाड़ा में कार्यरत उनके पुत्र की प्रतिनियुक्ति के आदेश तत्काल प्रभाव से जारी करवाए।

इसी प्रकार मुख्यमंत्री ने पुष्कर के कडैल गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत करने की घोषणा की। साथ ही, परिवहन सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए अतिरिक्त बस संचालन सुनिश्चित करने तथा बालिका विद्यालय की चारदीवारी निर्माण के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जालोर के पंसेरी गांव की चौहटा (गांव की चौपाल का मुख्य केंद्र) पर ग्रामीणों से बातचीत की। उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर जिला कलक्टर को विभिन्न सड़कों के उन्नयन की कार्ययोजना बनाने, खेल स्टेडियम की जमीन का चिन्हीकरण करने, एनीकट निर्माण की व्यवहार्यता रिपोर्ट बनाने, सब्जी मंडी निर्माण की कार्ययोजना बनाने एवं पशु चिकित्सालय के लिए जमीन आवंटन के कार्य को गति प्रदान करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने बांसवाड़ा के चुड़ादा गांव में आयोजित हुई ग्राम विकास चौपाल में राजीविका बहनों के लिए सीएलएफ कार्यशाला बनवाने एवं उत्पादों की पैकेजिंग यूनिट स्थापित करने के लिए जिला कलेक्टर को निर्देश दिए। साथ ही, सिंचाई के लिए हीरन नदी पर एनिकट निर्माण एवं पेयजल स्त्रोतों के लिए भी निर्देशित किया। वहीं, मुख्यमंत्री के निर्देश पर कुशलगढ़ के खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी के विरुद्ध वित्तीय अनियमितताओं की शिकायत को लेकर एपीओ की कार्रवाई की गई।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर ग्राम चुड़ादा में मामा बालेश्वर दयाल मंदिर परिसर में इंटरलॉकिंग व सौंदर्यीकरण के लिए 7 लाख रुपये, गांव ठुम्मठ में मां बाड़ी केंद्र निर्माण के लिए 16.20 लाख रुपये तथा ठुम्मठ चौराहा पर सिंगल फेज ट्यूबवेल निर्माण के लिए 20 लाख रुपये की तत्काल स्वीकृति जारी की गई। मुख्यमंत्री ने राजकीय विद्यालय में दो कक्षा-कक्षों के निर्माण एवं गांव के समीप दूध संकलन केन्द्र की स्थापना को लेकर भी अधिकारियों को निर्देशित किया।

निकाय चुनाव पर उच्च न्यायालय का फैसला राज्य सरकार की बड़ी हार : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पंचायत व निकाय चुनाव करवाए जाने को लेकर राजस्थान उच्च न्यायालय के फैसले को लोकतंत्र के हित में बताया और इसे राज्य सरकार की बड़ी हार करार दिया है। गहलोत ने एक बयान में कहा कि पंचायत और निकाय चुनाव से लगातार भाग रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार को आज उच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है और चुनाव न करवाने की इनकी कोई भी तिकड़म काम नहीं आई है। उन्होंने कहा, उच्च न्यायालय द्वारा 31 जुलाई 2026 तक चुनाव करवाए जाने का फैसला लोकतंत्र के हित में है और सरकार की बड़ी हार है।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि पंचायत और शहरी स्थानीय निकायों के चुनाव 31 जुलाई तक करवाए जाएं। इस संबंध में पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, सरकार ने चुनाव न कराने पड़ें इसलिए बेहद बचकाने बहाने बनाए। कभी भीषण गर्मी, कभी स्कूलों में नए सत्र, कभी बारिश जैसे कारण बताए गए। इससे पहले भी अदालत ने 15 अप्रैल तक चुनाव करवाए जाने का आदेश दिया था लेकिन इस संविधान विरोधी सरकार ने अदालत के आदेशों की पालना तक नहीं की थी।

उन्होंने कहा, खैर, अब तो इनके बचने के सारे रस्ते बंद हो चुके हैं और इन्हें जनता के सामने जाना ही पड़ेगा। राजस्थान की जनता इस सरकार को इतने कुशासन, भ्रष्टाचार और गैर जिम्मेदाराना व्यवहार के लिए माकूल जवाब देने का इंतजार कर रही है।

जन आंदोलन बनेगा 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026' का प्रदेशव्यापी भव्य शुभारंभ 25 मई (गंगा दशमी) से होगा। यह अभियान जल संग्रहण और संरक्षण के लिए जन जागृति से जन आंदोलन बनेगा। ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा की अध्यक्षता में शनिवार को शासन सचिवालय में तैयारियों को लेकर उच्च स्तरीय बैठक हुई। इसमें कर्मभूमि से मातृभूमि और जल संचय जन भागीदारी अभियान की प्रगति पर भी विस्तृत समीक्षा की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में विद्यालय शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री संजय शर्मा और पंचायती राज व ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटा राम देवासी शामिल हुए।

ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में जल संरक्षण और स्वच्छता का अभियान जल आंदोलन बनेगा। सामूहिक प्रयासों के लिए अभियान में सभी दलों, विचारकों, सांसदों, विधायकों, जनप्रतिनिधियों, भामाशाहों, स्वयंसेवी संस्थाओं, उद्योगपतियों, धार्मिक संस्थाओं और प्रत्येक व्यक्ति को जोडा जाए। सभी विभाग समन्वय से कार्यों को आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि सभी जिला प्रभारी सचिव अपने जिलों में रहेंगे।

डॉ. मीणा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के वितरीत प्रभावों से बचाव के लिए अभियान और हरियालो राजस्थान में अधिकाधिक पौधारोपण कराएं। यह अभियान पर्यावरण प्रदूषण को दूर करने में भी सहायक सिद्ध होगा। इसमें राजीविका से जुड़ी महिलाओं को भी जोड़े। हर गांव में कलश यात्राएं निकालकर पीपल पूजन, प्रभात फेरी जैसे कार्यक्रम होने चाहिए, उसी से भावनात्मक जुड़ाव होगा और जनजागरूकता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि वंदे गंगा अभियान में दौरान किसानों को ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम) की गतिविधियों की जानकारी भी दी जाए। इसमें देश-विदेश में उन्नत कृषि, जल प्रबंधन, फसल विविधीकरण जैसे नवाचारों को बढ़ावा देने आदि के बारे में बताएं।

ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री ने कहा कि गत वर्ष अभियान में 1.32 करोड़ महिलाओं सहित 2.53 करोड़ नागरिकों की सहभागिता रही। इस बार और अधिक लोगों को जोड़ें। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण से भू-जल रिचार्ज होता है। वनस्पतियां पनपती हैं।

अत्याधुनिक एवं तकनीकी रूप से सक्षम होगा रिम्स : गजेन्द्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर बजट घोषणा के अनुरूप जयपुर में राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की स्थापना को लेकर मिशन मोड में कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर की अध्यक्षता में स्वास्थ्य भवन में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में चिकित्सा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों, विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं स्टीयरिंग कमेटी के सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में आरयूएचएस को रिम्स के रूप में अत्याधुनिक एवं विश्वस्तरीय चिकित्सा संस्थान के रूप में स्थापित किए जाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर एवं उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि रिम्स की स्थापना चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान एवं सुपर स्पेशियलिटी स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में राजस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगी।

चिकित्सा मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना से संबंधित सभी कार्यों को चरणबद्ध एवं समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता, डिजिटल हेल्थ सिस्टम तथा विशेषज्ञ सेवाओं के विस्तार को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संस्थान को अत्याधुनिक एवं तकनीकी रूप से सक्षम चिकित्सा केंद्र के रूप में विकसित किया जाए, जिससे मरीजों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुगम स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। उन्होंने आरयूएचएस अस्पताल में मानव संसाधन शीघ्र बढ़ाए जाने के निर्देश दिए। इसके लिए तीन विशेषज्ञ चिकित्सकों की एक कमेटी गठित की जाएगी।

बैठक में रिम्स की स्थापना से जुड़े प्रशासनिक, तकनीकी एवं कानूनी पहलुओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने संस्थान को विश्व स्तर के चिकित्सा एवं अनुसंधान केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए। विशेषज्ञों ने इस संस्थान में हाई क्वालिटी क्लिनिक केयर, चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में विश्व स्तरीय शोध व अनुसंधान और इसके प्रशासनिक एवं आधारभूत ढांचे को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने रिम्स के विकास को लेकर अब तक किए गए प्रयासों एवं भावी योजना के बारे में अवगत कराया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुसार इस संस्थान को विकसित करने के लिए एक प्रभावी एक्शन प्लान तैयार कर कार्य किया जा रहा है, ताकि टाइमलाइन में इसका कार्य पूरा किया जा सके। उन्होंने बताया कि आरयूएचएस अस्पताल में विगत समय में कई सुपर स्पेशलिटी सेवाएं शुरू की गई हैं। एडवांस डायग्नोसिस प्रारंभ हो रहे हैं। इससे यहां रोगियों को गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल रहा है। निरंतर विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं का विस्तार किए जाने से यहां ओपीडी एवं आईपीडी दोनों में रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। रिम्स के विकसित होने से एसएमएस सहित प्रमुख अस्पतालों पर मरीजों का भार कम होगा तथा प्रदेश में सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा सेवाओं का विस्तार होगा।

चिकित्सा शिक्षा आयुक्त बाबू लाल गोयल ने बताया कि ख्वचड को एक अत्याधुनिक, स्वायत्त एवं उच्च स्तरीय सुपर स्पेशियलिटी संस्थान के रूप में स्थापित किया जाएगा, जहां चिकित्सा सेवा, शोध एवं मेडिकल शिक्षा को नई दिशा मिलेगी। यह संस्थान - दिल्ली की तर्ज पर उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाएं, उन्नत अनुसंधान एवं गुणवत्तापूर्ण पोस्ट ग्रेजुएट शिक्षा का केंद्र बनेगा।

सेवानिवृत्त स्कूल प्रधानाचार्य की निर्माणाधीन नाले में गिरने से मौत, तीन इंजीनियर निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। बोरेखेड़ा क्षेत्र में मोटरसाइकिल से जा रहे एक सेवानिवृत्त स्कूल प्रधानाचार्य की निर्माणाधीन नाले में गिरने से मौत होने के बाद कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) ने शुक्रवार को अपने तीन इंजीनियरों को निलंबित कर दिया और ठेकेदार पर 17 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।

यह घटना बुधवार देर रात बारां रोड पर हुई, जब 60 वर्षीय रामेश्वर रावल अपनी सेवानिवृत्ति की पार्टी में शामिल होने के बाद सुभाष नगर स्थित अपने घर लौट रहे थे। रावल फरवरी में सेवानिवृत्त हो गए थे और यह समारोह बुधवार को आयोजित किया गया था।

हालांकि परिजनों ने उसी रात रावल की तलाश शुरू कर दी थी, लेकिन अगले दिन उनका शव उस समय मिला जब एक राहगीर ने कीचड़ भरे पानी में फंसी एक साइकिल को देखा। केडीए सचिव मुकेश चौधरी ने बताया कि घटना के सामने आने के बाद अधिशासी अभियंता सागर मीणा, सहायक अभियंता लालचंद मटोरिया और कनिष्ठ अभियंता विनोद मदावत को लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया गया। उन्होंने कहा, तीनों इंजीनियर के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी शुरू की गई है।

चौधरी ने बताया कि जिस ठेकेदार को नाले के निर्माण का काम सौंपा गया था उस पर नाले को न ढकने या चेतावनी चिह्न नहीं न लगाने की वजह से 17 लाख रुपये (ठेके की राशि का 10 प्रतिशत) जुर्माना लगाया गया है।

प्रदेश में विलायती बबूल के संपूर्ण उन्मूलन के लिए अभियान चलाया जाए : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता संवर्धन की दिशा में राज्य में विलायती बबूल (जूलिफ्लोरा) के उन्मूलन को लेकर आज शासन सचिवालय स्थित पंचायती राज सभागार में मदन दिलावर, पंचायती राज मंत्री की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में वन मंत्री संजय शर्मा के साथ ओटाराम देवासी, पंचायती राज राज्य मंत्री भी उपस्थित रहे। बैठक में मदन दिलावर ने अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि चरणबद्ध कार्ययोजना बनाकर विलायती बबूल के उन्मूलन हेतु प्रभावी अभियान संचालित किया जाए, ताकि स्थानीय प्रजातियों का संरक्षण सुनिश्चित हो सके और पर्यावरणीय संतुलन को मजबूती मिले। उन्होंने कहा कि इसके लिए आवश्यक दिशा निर्देश बनाए जाए और इसकी लकड़ी से कोयले बनने के लिए प्रभावी ऑक्शन प्लान बनाया जाए। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विलायती बबूल अन्य वनस्पतियों को पनपने नहीं देता है। इसकी जड़े 10 मीटर तक फैली होती है और यह अत्यधिक पानी सोखता है। उन्होंने कहा कि विलायती बबूल जैसी बाहरी प्रजातियों के कारण स्थानीय जैव विविधता प्रभावित होती है, इसलिए इनके उन्मूलन के लिए विभागीय समन्वय के साथ व्यापक अभियान चलाया जाएगा। संजय शर्मा, वन मंत्री ने कहा कि विलायती बबूल के कोयले के परिवहन में टीपी की समस्या आती है तो उसके लिए भारत सरकार का पोर्टल है, उस पर टीपी जारी होती है। बैठक में अरिजीत बनर्जी, हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स,ग्रामीण विकास विभाग आदि अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया तथा अभियान की कार्ययोजना, तकनीकी पहलुओं एवं क्षेत्रवार रणनीति पर अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

संस्कृति और सनातन परंपराओं से समाज को मिलती है नई दिशा : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी शनिवार को अल्प प्रवास पर भीलवाड़ा रहे। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर उन्होंने हरि सेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर में आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम में भाग लिया। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने हरि सेवा धाम के महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम से भेंट कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली तथा शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए कामना की। उन्होंने स्वामीजी से आशीर्वाद प्राप्त करते हुए आध्यात्म एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली के लिए कामना की।

विधान सभा अध्यक्ष देवनानी के आश्रम पहुंचने पर संत, महात्माओं, श्रद्धालुओं एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने यज्ञशाला की परिक्रमा कर गुरुजनों से आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने आश्रम में चल रहे आध्यात्मिक अनुष्ठानों एवं कार्यक्रमों में भाग लिया।

इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय संस्कृति एवं सनातन परंपराएं समाज को एकजुट रखने के साथ-साथ मानव जीवन को सकारात्मक दिशा प्रदान करती हैं। इस दौरान श्रद्धालु, समाजजन, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि सहित जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू, उपखंड अधिकारी अरुण जैन, जन प्रतिनिधि मनीष समदानी, कैलाश सोनी, रामचंद्र मूंदड़ा, सौरभ काबरा, विनोद जुर्रानी, शिवप्रकाश चन्नाल, देवेंद्र गोयल, किशोर लकवानी, जय नारायण जोशी, लादूलाल तेली सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मुख्य सचिव ने नीट-यूजी परीक्षा के निष्पक्ष एवं सुरक्षित आयोजन हेतु व्यापक तैयारियों के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शनिवार को शासन सचिवालय में आयोजित बैठक में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा 21 जून 2026 को आयोजित की जाने वाली नीट-यूजी -2026 परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि परीक्षा का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुरक्षित संचालन राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों एवं जिला प्रशासन को समन्वय के साथ कार्य करते हुए परीक्षा प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने कहा कि नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा लाखों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ी हुई है, इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने संवेदनशील परीक्षा केंद्रों एवं जिलों की विशेष निगरानी करने, पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने तथा परीक्षा केंद्रों पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सोशल मीडिया एवं ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर सतत निगरानी रखते हुए भ्रामक सूचनाओं एवं अफवाहों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को भी कहा।

मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टर्स एवं पुलिस अधीक्षकों को परीक्षा केंद्रों का पूर्व निरीक्षण करने, परीक्षा दिवस हेतु ट्रैफिक एवं भीड़ प्रबंधन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा सभी परीक्षा केंद्रों पर निर्बाध विद्युत एवं पेयजल आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर जैमर, सीसीटीवी निगरानी एवं सुरक्षा प्रोटोकॉल की प्रभावी पालना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह व्यवस्थित रहे तथा बायोमेट्रिक सत्यापन, पहचान जांच एवं प्रतिबंधित वस्तुओं की रोकथाम के लिए विशेष सतर्कता बरती जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि किसी भी प्रकार की नकल, प्रतिरूपण अथवा अनुचित गतिविधि के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाए तथा आवश्यकतानुसार त्वरित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में एनटीए महानिदेशक/ डायरेक्टर जनरल अभिषेक सिंह ने बताया कि राज्य में 27 जिलों के 611 परीक्षा केंद्रों पर लगभग 2.09 लाख परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। परीक्षा का आयोजन 21 जून 2026 को दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक किया जाएगा।

मेरठ में अवैध हथियारों की खरीद-फरोख्त करने वाले गिरोह के सात सदस्य गिरफ्तार

मेरठ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में अवैध हथियारों की तस्करी में कथित रूप से शामिल एक गिरोह के सात सदस्यों को शनिवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपियों के पास से अवैध पिस्तौल, देशी तमंचे, कारतूस, नकदी और दो मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अभिजीत कुमार ने बताया कि मवाना/मुंडाली पुलिस टीम नियमित गश्त पर थी, तभी संदिग्धों को रोककर जांच की गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सदाकत, निखिल उर्फ साहिल, अभिषेक उर्फ गुड्डू, निशांत, पीयूष, निशांत उर्फ कैप्टन उर्फ सिवान और अनमोल त्यागी उर्फ यश त्यागी के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से एक अवैध .32 बोर पिस्तौल, दो कारतूस, छह .315 बोर देशी तमंचे, छह कारतूस, आठ खाली कारतूस, 12,200 रुपए नकद और दो मोटरसाइकिल बरामद की हैं। इस मामले में मुंडाली थाने में शस्त्र अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

राज्य की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाले आंदोलन से दूर रहें लोग : वाई खेमचंद सिंह

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने शनिवार को जनता से ऐसे किसी भी प्रकार के आंदोलन से दूर रहने की अपील की, जिससे समाज की छवि धूमिल हो और राज्य की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचे। सिंह ने कहा कि सरकार के प्रति लोगों में असंतोष हो सकता है, लेकिन उन्हें नाकेबंदी या बंद का सहारा नहीं लेना चाहिए, क्योंकि इससे दिहाड़ी मजदूरों और श्रमिकों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

मणिपुर राज्य साहित्य पुरस्कार 2024 के समारोह में सिंह ने कहा, राज्य पिछले दो से तीन वर्षों में उथल-पुथल भरे दौर से गुजरा है, जिससे इसकी अर्थव्यवस्था, विशेष रूप से दिहाड़ी मजदूरों पर असर पड़ा है।'' इंफाल पश्चिम जिले में हाल ही में हुए एक विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों द्वारा सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का उदाहरण देते हुए, उन्होंने लोगों से ऐसे किसी भी प्रकार के आंदोलन से दूर रहने का आग्रह किया, जिससे हमारे समाज की छवि धूमिल हो और राज्य की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचे।

सोनभद्र में नौ साल बच्ची से दुष्कर्म की कोशिश करने वाले व्यक्ति को 20 साल की सजा

सोनभद्र/भाषा। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र की एक अदालत ने नौ साल की एक बच्ची को चाकू का भय दिखाकर उससे दुष्कर्म की कोशिश करने के मामले में दोषी पाए गए एक व्यक्ति को 20 साल के कठोर कारावास और 11 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। एक अधिवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी। शासकीय अधिवक्ता दिनेश प्रसाद अग्रहरि ने बताया कि अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो अधिनियम) ओमकार शुक्ला की अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपी राजू उर्फ रामनिवास (35) को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई और उस पर 11 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। उन्होंने बताया कि अर्थदंड अदा न करने पर अदालत ने छह माह के अतिरिक्त कारावास का आदेश दिया। अदालत ने अर्थदंड की पूरी राशि पीड़िता को देने का भी निर्देश दिया। अग्रहरि ने बताया कि रॉबर्ट्सगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की निवासी महिला ने एक जनवरी 2022 को थाने में तहरीर देकर बताया था कि राजू उर्फ रामनिवास (35), उसकी नौ साल की बेटी को बर्तन धुलवाने के बहाने अपने घर ले गया। वहां उसने चाकू का भय दिखाकर और जान से मारने की धमकी देकर बच्ची से जबरन दुष्कर्म की कोशिश की।

चोरी के प्रयास में ग्रामीणों की हिस्ट्रीशीटर को पीट-पीटकर मार डाला

लखीमपुर खीरी (उप्र)/भाषा। लखीमपुर खीरी जिले के खमरिया थाना क्षेत्र के राजपुर गांव में चोरी के प्रयास में ग्रामीणों की कथित तौर पर पीट-पीटकर एक हिस्ट्रीशीटर को मार डाला। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, घटना शुक्रवार रात की है जब कुछ लोग गांव में चोरी की कोशिश कर रहे थे तभी सतर्क ग्रामीणों और एक परिवार के सदस्यों ने उन्हें घेर लिया। पुलिस ने बताया कि विरोध होने पर धारदार हथियारों से लैस आरोपियों ने ग्रामीणों पर हमला कर दिया, जिसमें तीन लोग घायल हो गए। उसने बताया कि इसके बाद ग्रामीणों ने आत्मरक्षा में लाठियों से जवाबी हमला किया और इस दौरान एक आरोपी की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी मौके से भाग गए। लखीमपुर खीरी की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ख्याति गर्ग घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि ग्रामीणों ने आत्मरक्षा में हमला किया। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान मुन्नी लाल के रूप में हुई है। वह हिस्ट्रीशीटर था और उसके खिलाफ 35 आपराधिक मुकदमे दर्ज थे।

श्रमिकों का सम्मान और सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रमिकों को राज्य की प्रगति की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए शनिवार को कहा कि उन्हें सम्मान तथा सुरक्षा देना सरकार की प्राथमिकता है। श्रम एवं सेवायोजन विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने श्रमिक कल्याण, कौशल विकास और रोजगार सृजन को अधिक प्रभावी तथा व्यापक बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने 'बाल श्रमिक विद्या योजना' को प्रदेश के सभी 75 जिलों तक विस्तार देने, 'सेवामित्र व्यवस्था' को और मजबूत बनाने, बड़े शहरों में निर्माण श्रमिकों के लिए आधुनिक सुविधा केंद्र विकसित करने तथा रोजगार मिशन को वैश्विक अवसरों से जोड़ने के निर्देश दिए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रमिक केवल उत्पादन प्रक्रिया का हिस्सा नहीं, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था और विकास की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता श्रमिकों, युवाओं और कमजोर वर्गों को सम्मानजनक जीवन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित कार्य वातावरण और बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी बच्चा आर्थिक मजबूरी के कारण शिक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने बाल श्रम प्रभावित क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर बच्चों को विद्यालयों से जोड़ने और उनके पुनर्वास की प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। साथ ही निजी क्षेत्र के सहयोग से इन बच्चों के कौशल विकास की कार्ययोजना तैयार करने को भी कहा।

बैठक में बताया गया कि वर्ष 2020 में शुरू की गई 'बाल श्रमिक विद्या योजना' के तहत आठ से 18 वर्ष आयु वर्ग के कामकाजी बच्चों को विद्यालयों में प्रवेश दिलाकर आर्थिक सहायता दी जा रही है। इसमें कहा गया कि वर्तमान में यह योजना 20 जिलों में संचालित है। मुख्यमंत्री ने इसे नए प्रावधानों के साथ सभी 75 जिलों में लागू करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने 'सेवामित्र व्यवस्था' को रोजगार और जनसुविधा का अभिनव मॉडल बताया और इसे अधिक प्रभावी तथा जनोपयोगी बनाने पर जोर दिया।

बैठक में जानकारी दी गई कि वर्ष 2021 से संचालित इस व्यवस्था के तहत नागरिक मोबाइल ऐप, वेब पोर्टल और कॉल सेंटर के माध्यम से घरेलू सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान में पोर्टल पर 1,097 सेवा प्रदाता, 5,049 सेवामित्र और 54,747 कुशल कामगार पंजीकृत हैं। मुख्यमंत्री ने सरकारी विभागों में भी आवश्यकता के अनुसार सेवामित्र व्यवस्था के उपयोग को बढ़ावा देने के निर्देश दिए।

भर्ती घोटालों से बंगाल की बदनामी हुई, हमें इस छवि को बदलना होगा: शुभेंदु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को कहा कि पूर्ववर्ती राज्य सरकार के कार्यकाल में हुए विभिन्न भर्ती घोटालों के कारण राज्य की बदनामी हुई है और प्रदेश को इस स्थिति से बाहर निकाले जाने की जरूरत है।

शुभेंदु ने कहा कि पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार के दौरान हुई इन अनियमितताओं के कारण कलकत्ता उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ा, जिससे पश्चिम बंगाल की साख को गहरा नुकसान पहुंचा। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमें अपने पश्चिम बंगाल को इस स्थिति से बाहर निकालना होगा।'' केंद्र सरकार द्वारा आयोजित रोजगार मेले में नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए शुभेंदु ने कहा कि शिक्षा और बौद्धिकता के उच्च मानकों के लिए पहचाने जाने वाले पश्चिम बंगाल की स्कूल भर्ती और नगर निकाय भर्ती घोटालों के कारण ''बदनामी'' हुई है। उन्होंने कहा, ''परीक्षा केंद्र इस कदर बदनाम हो गए कि पूर्व रेलवे, दक्षिण पूर्व रेलवे और पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने राज्य में अपनी भर्ती परीक्षाएं आयोजित करना बंद कर दिया।'' उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के युवाओं को बिहार, असम और ओडिशा जैसे पड़ोसी राज्यों में जाकर परीक्षाएं देनी पड़ रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों के बेहतर करियर के सपने के साथ उन्हें पढ़ाते हैं, लेकिन तृणमूल सरकार के दौरान राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में भर्तियों में हुई अनियमितताओं ने उनके सपने चकनाचूर कर दिए।

अंडमान की अपार क्षमता को उजागर करने की आवश्यकता है : थाईलैंड की महावाणिज्यदूत

श्री विजय पुरम/भाषा। कोलकाता में थाईलैंड की महावाणिज्यदूत सिरिपोर्न तांतिपन्याथेप ने कहा कि अब समय आ गया है कि दोनों देश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की अपार क्षमताओं को सामने लाएं और क्षेत्रीय साझेदार के रूप में साथ मिलकर विकास करें। तांतिपन्याथेप ने साक्षात्कार में कहा, ''मैंने द्वीपों के विकास के दृष्टिकोण, प्रगति, भविष्य की दिशा और आकांक्षाओं के बारे में अधिक से अधिक जानने में अपनी गहरी रुचि व्यक्त की। थाईलैंड तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह एक साथ विकास करने एवं अपनी क्षमता को उजागर करने में एक दूसरे की मदद कैसे कर सकते हैं, इस बारे में भी अपनी रुचि जताई।''

राजदूत ने कहा, ''यह अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की मेरी पहली यात्रा है और मुझे यहां आकर बेहद प्रसन्नता हुई। द्वीपसमूह के साथ लंबे समय से जारी मित्रता को और मजबूत करने तथा सार्थक सहयोग की संभावित क्षेत्रों की तलाश करने के लिए मैं यहां अत्यंत आशा और दृढ़ संकल्प के साथ आई हूं।'' उन्होंने कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और थाईलैंड पहले से ही समुद्र, ऐतिहासिक व्यापार मार्गों और साझा क्षेत्रीय अवसरों के माध्यम से स्वाभाविक रूप से जुड़े हुए हैं।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने असम की आर्थिक वृद्धि को तेज करने की रूपरेखा पर चर्चा की। शर्मा ने पिछले पांच वर्षों में असम को केंद्र सरकार से मिले सहयोग के लिए वित्त मंत्री का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। मैंने पिछले पांच वर्षों में असम को दिए गए निरंतर सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया और आने वाले वर्षों में राज्य की वृद्धि और विकास की रूपरेखा पर चर्चा की। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच पर एक अलग पोस्ट में कहा कि दोनों नेताओं ने असम सरकार की आर्थिक वृद्धि को गति देने और राज्य को पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख विकास केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना पर चर्चा की। भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई वाली सरकार हाल ही में विधानसभा चुनावों के बाद असम में लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटी है। शर्मा ने लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री पद संभाला है।

संरक्षण प्रयासों से असम में लुप्तप्राय हो रहे ढोल की संख्या में हुई वृद्धि : हिमंत विश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि चार साल पहले कैमरे में लुप्तप्राय एशियाई जंगली कुत्ते या ढोल की प्रजाति का केवल एक सदस्य नजर आया था लेकिन अब बड़ी संख्या में असम के काजीरंगा-कार्बी आंगलोंग क्षेत्र में ये लौट आये हैं।

ढोलों की संख्या में वृद्धि का श्रेय सरकार के संरक्षण प्रयासों को देते हुए शर्मा ने कहा कि उनका प्रशासन ऐसी परिस्थितियां बनाने की दिशा में काम कर रहा है, जिनमें वन्यजीव फिर से फल-फूल सकें।

शर्मा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''काजीरंगा-कार्बी आंगलोंग क्षेत्र से लुप्त होने से पहले शांत और बेहद कुशल शिकारी ढोल एक समय हमारे जंगलों में स्वतंत्र रूप से घूमता था।'' उन्होंने लिखा, ''लेकिन प्रकृति का वापसी का अपना तरीका होता है। वन क्षेत्र की रक्षा और विस्तार करने, पर्यावास संपर्क को मजबूत करने और अतिक्रमण वाली भूमि को मुक्त कराने के निरंतर प्रयासों के माध्यम से हम ऐसी परिस्थितियां बना रहे हैं, जहां वन्यजीव फिर से फल-फूल सकते हैं।''

शर्मा ने कहा कि 2022 में कैमरे में रिकार्ड एक अकेली तस्वीर से लेकर प्रत्यक्ष दर्शन और अब 2026 में एक झुंड की पुष्टि तक, यह पुनरुद्धार की एक शक्तिशाली कहानी है।' उन्होंने सोशल मीडिया मंच पर वन्यजीव संरक्षण की राज्य की सफलता की कहानी साझा की।

कांग्रेस का नेतृत्व जब तक राहुल गांधी करेंगे तबतक पार्टी और रसातल में जाएगी: प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रवि शंकर प्रसाद ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि ''जब तक वह अपनी पार्टी का नेतृत्व करते रहेंगे, तब तक पार्टी का और रसातल में जाना तय है''।

राहुल गांधी ने भारत की अर्थव्यवस्था के प्रबंधन को लेकर सरकार की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और आरएसएस को 'गद्दार' करार दिया था और उनपर 'सातों दिन' संविधान पर हमला करने का आरोप लगाया था। राहुल अपने इस बयान की वजह से भाजपा और उसके सहयोगी दलों के निशाने पर हैं। प्रसाद ने संवाददाताओं द्वारा राहुल गांधी के बयान को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा, ''क्या राहुल गांधी को इस तरह की टिप्पणियां करने के अलावा कुछ और आता है? कांग्रेस बार-बार हारती है और उसके उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो जाती है, फिर भी उनका अहंकार साफ दिखाई देता है।'' प्रसाद ने आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने विदेशों में बार-बार ''भारत के खिलाफ शर्मनाक टिप्पणियां'' कीं। उन्होंने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष की आलोचना करते हुए कहा, ''जब तक राहुल गांधी पार्टी का नेतृत्व करते रहेंगे, तब तक इसका और रसातल में जाना तय है।'' पूर्व केंद्रीय मंत्री ने ये टिप्पणियां पटना महानगर में भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए आयोजित दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन के अवसर पर कीं। इस शिविर का उद्घाटन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने किया। प्रशिक्षण शिविर भाजपा के राष्ट्रव्यापी ''पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान-2026'' का हिस्सा है।

नवीन के संबोधन के बारे में पूछे जाने पर प्रसाद ने कहा, ''नितिन नवीन जी ने जनसंघ के दिनों से लेकर भाजपा के इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि सरकार और संगठन के बीच समन्वय किस प्रकार राष्ट्र की प्रगति को सुगम बना सकता है।'' कार्यक्रम के उद्घाटन से पहले नवीन ने अन्य वरिष्ठ भाजपा नेताओं के साथ दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की।

कुछ अदृश्य शस्त्र गुप्त रूप से देश, समाज पर बेहद घातक हमला कर रहे : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोलते हुए शनिवार को कहा कि कुछ अदृश्य शस्त्र गुप्त रूप से देश, समाज और आपसी सौहार्द पर घातक हमला कर रहे हैं।

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कई सवाल उठाते हुए जांच की मांग की। उन्होंने कहा, असली शस्त्रों के तो लाइसेंस बनते हैं, लेकिन कुछ अदृश्य शस्त्र भी हैं, जो गुप्त रूप से देश, समाज और आपसी प्रेम पर अंदर से बेहद घातक हमला कर रहे हैं। सपा प्रमुख ने पोस्ट में कहा, वकील कह रहे हैं कि लगे हाथ भाजपाइयों के घर, दुकान, कार्यालय और प्रतिष्ठानों के कागज तथा नक्शे मंगाकर उनकी वैधता की भी जांच की जाए। उन्होंने बिना नाम लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भाजपा से जुड़े लोगों पर निशाना साधते हुए कहा, ''भाजपा और उनके संगी-साथियों द्वारा निर्माण कार्यों, आयोजनों और आपदाओं के नाम पर 'जगह-जगह' से बटोरे गए 'तरह-तरह' के चंदे-फंड का हिसाब भी मांगा जाए और उनका ऑडिट हो। और हां जनता ये भी पूछ रही है कि इस बात का भी कानूनी पहलू समझाया जाए कि 'अनरजिस्टर्ड' लोग जमीन किसके नाम से लेकर अपना निर्माण करते हैं और ये संपत्तियां कैसे बेनामी नहीं हैं? '' उन्होंने पोस्ट में कहा इसके अतिरिक्त जनता की जिज्ञासा ये भी है कि गुप्त-गतिविधियों में संलिप्त भाजपाई संगी-साथियों के ऐसे निर्माणों को 'कार्यालय' कहा जाए या 'अड्डा'?

आरजी कर मामला: पश्चिम बंगाल सरकार ने निलंबित डॉक्टर के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू की

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल सरकार ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में हुई बलात्कार व हत्या की घटना के बाद निलंबित किए डॉक्टर के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी और साथ ही स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में उसके प्रवेश के संबंध में अलग से जांच का आदेश दिया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से जारी की गई अधिसूचना के अनुसार, बर्धमान मेडिकल कॉलेज के रेडियो नैदानिक विभाग के पूर्व रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर (आरएमओ) और वर्तमान में आईपीजीएमई एंड आर, कोलकाता में जनरल सर्जरी में सेवारत स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉ. अविक डे के खिलाफ कार्यवाही शुरू की गई है। राज्यपाल आरएन रवि ने डॉक्टर के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू करने की मंजूरी दे दी है, जो सितंबर 2024 से पश्चिम बंगाल सेवा (सीसीए) नियम, 1971 के तहत निलंबित हैं। अधिसूचना के अनुसार, आरोपों की गंभीरता का आकलन करने के बाद, यह निर्णय लिया गया कि डॉक्टर अविक डे के खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू करने की आवश्यकता है। आदेश में आगे कहा गया कि ''सेवा कोटा'' के माध्यम से डे के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में प्रवेश के संबंध में अलग जांच की जाएगी।

कोहली को मैदान पर ऑस्ट्रेलिया जैसी आक्रामक शैली बनाए रखने में आनंद आता है : पठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) के आईपीएल मैच के दौरान विराट कोहली और ट्रैविस हेड के बीच मैदान पर हुई तीखी बहस को खास तवज्जो नहीं दी और कहा कि शीर्ष स्तर की क्रिकेट में कड़ी प्रतिस्पर्धा को देखते हुए इस तरह के टकराव स्वाभाविक हैं।

कोहली और हेड के बीच मैदान पर तीखी बहस हुई। कोहली ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज को लगातार इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के रूप में इस्तेमाल किए जाने का मजाक उड़ाते हुए इशारा किया कि उन्हें मैदान से बाहर रहने के बजाय कुछ गेंदें फेंकनी चाहिए। कोहली जल्द ही 11 गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हो गए, जिसके बाद हेड ने पलटवार करते हुए उन पर कटाक्ष किया। सनराइजर्स की 55 रन की जीत के बाद भी तनाव बना रहा। मैच के बाद हेड ने कोहली से हाथ मिलाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय स्टार बल्लेबाज उनकी ओर ध्यान दिए बिना ही आगे बढ़ गया। पठान ने जिओ हॉटस्टार पर कहा, ''विराट कोहली को हमेशा से ही मैदान पर ऑस्ट्रेलिया की तरह आक्रामक शैली में खेलना, थोड़ी सी नोकझोंक, कड़ी प्रतिस्पर्धा तथा पूरे जोश और जज्बे के साथ खेलना पसंद है।'' उन्होंने कहा, ''कोहली और हेड के बीच जो कुछ हुआ, ऐसा बेहद दबाव वाले मैचों में होना स्वाभाविक है। विशेष कर तब जबकि दोनों टीम अंक तालिका में महत्वपूर्ण स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हों। यह शीर्ष स्तर के क्रिकेट की प्रतिस्पर्धात्मक भावना का ही एक हिस्सा था।'' इस बीच पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि वेंकटेश अय्यर ने प्लेऑफ से पहले आरसीबी के सामने चयन को लेकर दुविधा खड़ी कर दी है। सहवाग चाहते हैं कि बाएं हाथ का यह बल्लेबाज ओपनिंग करना जारी रखे। इसके अलावा उन्होंने सुझाव दिया कि फिट हो चुके फिल साल्ट को खराब फॉर्म में चल रहे जितेश शर्मा की जगह टीम में शामिल किया जाना चाहिए।

अमेरिकी विदेश मंत्री रुबियो ने कोलकाता में 'मदर हाउस' और निर्मला शिशु भवन का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को कोलकाता में सेंट टेरेसा के 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' के मुख्यालय 'मदर हाउस' और निर्मला शिशु भवन का दौरा किया।

रुबियो भारत की अपनी पहली चार दिवसीय यात्रा पर आज सुबह कोलकाता पहुंचे। कोलकाता के हवाई अड्डे पर भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने उनका स्वागत किया। उन्होंने 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' के मुख्यालय का दौरा किया और वहां के अधिकारियों से बात की। रुबियो बाद में गोर और अन्य अधिकारियों के साथ 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' द्वारा संचालित बाल गृह निर्मला शिशु भवन भी गए। कोलकाता में मदर टेरेसा द्वारा स्थापित 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' एक कैथोलिक संस्था है, जो दुनियाभर में गरीबों, बीमारों और असहायों की सेवा के लिए समर्पित है। गोर ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''मैंने मार्को रुबियो के साथ कोलकाता में 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' का दौरा किया। ऐसे पल हमें याद दिलाते हैं कि भारत-अमेरिका साझेदारी केवल मजबूत नीतियों पर ही नहीं, बल्कि साझा मूल्यों और निस्वार्थ सेवा की उस भावना पर भी आधारित है जो सीमाओं से परे है।''

अमेरिका के किसी विदेशी मंत्री का 14 साल बाद कोलकाता में आगमन हुआ है। इससे पहले मई 2012 में अमेरिकी विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने कोलकाता का दौरा किया था।

रुबियो की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के रूप में बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिला है।

सुविचार

दूसरों की बुराई करने से बेहतर है, अपनी कमियों को सुधारने में समय लगाएँ।

ट्वीट

सरल और सौम्य व्यक्तित्व के धनी और कुशल आयोजक, भारतीय जनता पार्टी के सफल राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आप हमेशा स्वस्थ और खुश रहें, प्रभु श्री राम जी आपको लंबी उम्र दें।

-दिया कुमारी

यूएस सेक्रेटरी ऑफ़ स्टेट, मिस्टर मार्को रुबियो का स्वागत करके खुशी हुई। हमने इंडिया-यूएस कॉम्प्रिहेंसिव ग्लोबल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप में लगातार हो रही प्रोग्रेस और रीजनल और ग्लोबल शांति और सिक्योरिटी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

-भजनलाल शर्मा

कहानी

जीवन की सांझ

प्रभा पारीक

खि अर्चना जी इधर-उधर मुझे ही ढूंढ़ रही थीं। एक बार मन किया हाथ हिला कर बता दूं कि मैं यहां पर बैठी हूं बेचारी, वो कौन-सी जवान हैं, मेरी उम्र की महिला ही तो हैं। चल-चल कर हलकान होंगी, मुझे ही तो ढूंढ़ने निकली हैं, अपनी परेशानी के बावजूद पूरा प्रयास तो करेगी ही, फिर चाहे घुटनों पर घंटों मालिश करती रहें। पर कुछ सोचकर मैं चुपचाप बैठी रही, क्योंकि मेरा आवेश अभी मुझ पर हावी था। पर किसी तरह उन्होंने अंत में मुझे ढूंढ़ ही लिया था। मैंने एक विरक्ति भरी नजर से उन्हें देखा और जैसे थीं, वैसे ही बैठी रही। वो आकर मेरे पास धम्म से बैठी, अर्चना जी अपनी थकान और उतरती चढ़ती सांसों को संयत करने के प्रयास में लगी थीं। फिर उन्होंने धीरे से मेरा हाथ अपने हाथ में लिया और सहलाने लगीं। कुछ समय बाद बोलीं, 'जा रही हैं आप?' 'पर कहां?' और उनकी बात पूरी होने से पहले ही मैंने बोल पड़ी, 'जहां मेरा मन करेगा।'

उनका स्नेह भरा स्पर्श पाकर, मेरी आंखों में उमड़ आए आंसुओं को रोकने का भरसक प्रयास भी असफल हुआ, और मेरी आंखें सारा भेद खोल गईं। और उसके साथ बहता चला गया मेरा सारा गुस्सा, जबरन ओढ़ा मेरा सारा आत्मविश्वास डगमगा गया। कुछ देर दोनों ओर से चुप्पी, अर्चना जी ने मेरा हाथ धीरे-धीरे सहलाना जारी रखा और कहना शुरू किया, 'रिक्शे से उतर कर यहां तक आने में मेरा क्या हाल हुआ, आप देख रही हैं। शोभाजी, आपकी हालत भी मुझसे कुछ विशेष अच्छी नहीं है। उस पर इतना आवेश... जो स्वास्थ्य के लिए बिल्कुल उचित नहीं है।'

'क्या कहती हैं आप?' अर्चना जी ने मेरी ओर बड़े प्यार से देखा। मैंने फिर भी उग्र अंदाज से ही कहा था, 'तो क्या करूं, बार-बार अपमानित होती रहूं?' अर्चना जी कुछ समय तक मेरा मुंह तकती रहीं। उन्होंने पूरे धैर्य का परिचय दिया, इंतजार करती रहीं कि मेरा मन शांत हो, तभी वह अपनी बात कहें। चाय वाले को दो कप चाय लाने को कहकर अर्चना जी फिर चुप हो गईं। मुझे चाय पकड़ा कर फिर से वो मेरी बगल में ऐसे बैठ गईं, जैसे मुझे जानती ही नहीं हैं। पर चाय का कप खत्म होते-होते मैं संयत हो चुकी थी। अर्चना जी ने बड़े प्यार से पूछा, 'शोभाजी, अब कुछ अच्छा लग रहा है? यहां से चलें या हम यहीं कुछ देर बैठे रहें?' ना जाने क्यों मुझे भीड़ में इस तरह बैठे रहना अच्छा लग रहा था। मेरी वृद्धावस्था, असुरक्षा की भावना और अकेलापन, और उस पर नकारात्मक सोच... ये सब किसी भी समझदार मनुष्य का मनोबल कमजोर करने के लिए काफी हैं, और आज मैं भी तो इसी का शिकार थी।

अर्चना जी ने कहना शुरू किया, 'शोभा जी, मेरी नजर में आप विदुषी हैं। आपकी सोच और आपके परिवार के प्रति निष्ठा की मैं सदा से कायल रही हूं। आपने सदा परिवार को बांधकर रखने का प्रयास किया है। अति सक्रिय रहकर अपने समय का अधिकतम उपयोग करते हुए जीवन जीया। उस जीवन शैली के बाद इस तरह का जीवन... अचानक आपका अकेलापन, समाज से अलग-थलग हो जाना और घर में भी आपकी पग-पग पर कसौटी होना, यह सब मैं भी देख और सुन रही हूं।' 'मैं तो सदा आपको भाग्यशाली मानती आई थी कि आप दो पुत्रों की माता हैं। आप दोनों अपनी सारी जिम्मेदारी पूरी कर चुके थे। अब आपको अपने लिए ही जीना था। पर अचानक आपका अकेला हो जाना, आपको ही नहीं, हम सब को झकझोर रहा था। पर यह तो संसार चक्र है, समाज में चारों ओर हो रहा है। कभी न कभी तो इससे प्रभावित सभी होते हैं, आप पर भी असर होना स्वाभाविक है। सराहना करती हूं कि इस परिस्थिति में आपने स्वयं को संभाला।'

'मैं जब इस दौर से गुजरी थी, तब मेरे बच्चे बहुत छोटे थे। मैं संयुक्त कुटुम्ब में थी। मुझे भिन्न परिस्थितियों का सामना करना पड़ा। सच है, जिन्हें हम अपना समझते हैं, जिनके संबल की आशा हमें होती है, उन्हीं की नजरों में जब हम बेकार समझे जाने लगें, तब मन का आहत होना स्वाभाविक है। मेरी भी संयुक्त कुटुम्ब में रहने की आदत हो गई थी। मुझे भी संयुक्त कुटुम्ब छोड़कर इन परिस्थितियों में से पुत्री के साथ रहने इसलिये आना पड़ा कि परिवार में जो मेरे हमउम्र थे, वो स्वयं ही अपनी संतानों पर निर्भर हो गए थे। नई पीढ़ी के साथ तालमेल बिठाने में लगे थे। ऐसे में मुझे भी अपना भविष्य देखना था। इकलौती पुत्री के अलावा मैं किससे आस करती? आप सोचकर देखिए, इस तरह यहां आना और जीवनभर इसी की आस रखना कितना कष्टकारी है।'

'कभी-कभी मान, अपमान तो हमें लगता है, लेकिन नई पीढ़ी के लिए तो यह सच को सच कहना है। आज की पीढ़ी में संबंधों को लेकर कोई दिखावा नहीं है। कभी-कभी मुझे भी लगता है कि यदि ये पीढ़ी प्रैक्टिकल है, तो क्यों न हम भी प्रैक्टिकल हो जाएं? हम भी किसी वृद्धाश्रम में अपना नाम दर्ज करवा के आजीवन वहां रहें।' मैं बीच में बोलना तो नहीं चाहती थी, लेकिन मैंने तपाक से कहा, 'क्यों पराए लोगों के बीच रहें? सारी जिंदगी अपनों के साथ रहे हैं, वहां तो इन्हें देखने को भी तरस जाएंगे।' अर्चना जी ने कहा, 'हां, ये सोच हमारी है, और इसी सोच के कारण ही तो हम सकारात्मक सोच के साथ अपने बच्चों से बंधे, उनके पास रहकर अच्छा-बुरा सहते जाने के लिए मजबूर हैं।' अर्चना जी ने फिर कहा, 'बुरा कुछ नहीं है। जो बात आज आपको मुंह खोल कर कही गई है, वह मुझे कितनी ही बार आंखें तरेर कर समझाई गई है। मेरी सलाह है, 'एक बार भूल जाइए कि आप बेटे के घर में हैं।' मैं भी भूल जाती हूं कि मैं बेटी पर आश्रित हूं। हम अपने घर में हैं, अपनों के बीच हैं। एक बात याद रखिए, हमारे किसी भी गलत निर्णय पर सदा अंगुली हमारी संतान पर ही उठेगी। क्या हम वह सह पाएंगे? हम इतने स्वार्थी कैसे हो सकते हैं?'

'रही बच्चों की बात, आप और मैं इसे इतना सोचते हैं, बच्चे तो अपनी बात कहकर भूल भी जाते हैं। एक कटु सत्य शोभाजी हमारे बड़े-बूढ़े कह गए हैं कि सास तो मिट्टी की भी हो, तो बहू उससे दूर ही रहना चाहती है। हमें हमारी सोच बदलनी होगी। हम अपने शरीर से जितना कर सकते हैं, करते रहें। स्वयं को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखने का प्रयास करें। हमारी सोच को और विचारों को हमारे तक ही रखें और नई पीढ़ी के साथ तालमेल बैठाने का प्रयास जारी रखें। बैठा सकें तो ठीक, अन्यथा उन्हें अपने हाल पर छोड़कर खुश रहने का प्रयास करें।'

'आप जब घर से गुस्से में निकल आईं तो मैं विचार करने लगी, 'अरे, मैं तो अब अकेली हो गई!' और अपने अकेलेपन की कल्पना से घबरा उठी। नहीं, मैं आपको नहीं जाने दूंगी। आप भी यहीं रहेंगी। इसी घर में रहकर बहू को बेटी मानने का प्रयास करें, मैं जंवाई को बेटा मानने का प्रयास कर रही हूं।' 'चलिए, आज से हम अपना-अपना स्थान बदलकर सोचें, दोनों रिश्तों के साथ नई पीढ़ी के व्यवहार के विषय में। आपको पता है, जंवाई के मुंह से जो बात अच्छी नहीं लगती, वह बेटे के मुंह से अच्छी हो जाती है, और बेटी के मुंह से जो बात ठीक लगती है, वह बहू के मुंह से कड़वी ज़हर समान लगती है।'

'इसलिए हमें आपस में एक-दूसरे के संस्कारों पर अंगुली उठाने के बजाय, एक साथ एक-दूसरे का सहारा बनना है। हमें बच्चों का भी सहारा बने रहना है। आज हम बच्चों की किसी जिम्मेदारी को उठा लेंगे, तो कल बच्चे हमें संभाल ही लेंगे। इसलिए भगवान के लिए गुस्सा त्याग दो और अपनी अर्चना सखी की बात मान लो।' शांत मन और प्रफुल्लित हृदय से दोनों सखियां हंसती-खिलखिलाती स्टेशन के बाहर निकलकर रिक्शे में बैठ गईं। अपने सुंदर नीड़ में लौटने के लिए। कहते हैं, नज़रिया बदलो, नज़ारे बदल जाएंगे। सोच बदलो, परिस्थितियां बदल जाएंगी। आज जीवन की संध्या में यही कहना चाहती हूं, समझौता, समर्पण, मजबूरी जैसे नकारात्मक शब्दों को परिवार से दूर रखें, देखें, जिंदगी कितनी आसान हो जाएगी।

(साभार: द ट्रिब्यून)

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

दशपुत्रसमो द्रुमः

ह मारा फ्लैट हाउसिंग सोसायटी की ऊपरी मंज़िल पर है। सोसायटी के सामने सड़क है। सड़क के दूसरी ओर शिरीष का विशालकाय वृक्ष है। इस पेड़ की फुनगियाँ गुलाबी रंग के फूलों से लकदक हैं। यह वृक्ष लगभग 70 फीट ऊँचा और अपनी डालियों के माध्यम से लगभग इतना ही चौड़ा हो चुका है। तेज़ हवा, बरसात के साथ इसके फूल उड़ते हैं, यहाँ-वहाँ बिखरते हैं। उसमें से कुछ हमारी बालकनी में रखे पौधों के गमलों में भी गिरते हैं।

पिछले दिनों एक गमले में इसी शिरीष की एक संतान ने जन्म लिया। धरती पर खड़ा 70 फीट का विशाल पेड़ और उसके सामने गमले में जन्मा और बढ़ा लगभग 1 फुट का यह पौधा। देखता हूँ कि पेड़ की फुनगियाँ निरंतर हमारे बालकनी के निकट आ रही हैं। दूरी लगभग 10 फीट की रह गई है।

सोचता हूँ, सड़क के उस पार लगा 70 फीट का यह पेड़ भी कभी अंकुरित हुआ होगा, ऐसे ही पौधा बना होगा। धीरे-धीरे बड़ा हुआ होगा। आंधी, तूफान, भीषण गर्मी सब सहन किए होंगे। पशुओं का भक्ष्य होने से बच गया होगा। इसकी आयु कितने वर्ष है, यह तो पता नहीं पर इसे विकसित होने के समुचित अवसर मिले, फलत: यह 70 फीट का हो चला है।

सही शारीरिक-मानसिक-बौद्धिक पोषण और उचित परिवेश मिले तो मनुष्य भी इसी तरह विकास कर सकता है। प्रकृति में हरेक अनुपम है। अतः अपने बच्चों पर अपने अधूरे सपने थोपने के बजाय उन्हें विकास के लिए समुचित वातावरण उपलब्ध कराना चाहिए। आगे वे अपने स्वभाव और अपनी मूल प्रकृति के अनुसार स्वयं विस्तार करेंगे।

नन्हा शिरीष थोड़ा बड़ा हो जाए तो किसी सुरक्षित स्थान पर इसे रोप आऊँगा। ऐसे स्थान पर जहाँ इसे विकसित होने के पर्याप्त अवसर मिल सकें। इन दिनों गर्मी चरम पर है। सामान्यत: हमारी वृत्ति वृक्षों को काटकर बढ़ते तापमान पर सेमिनार आयोजित करने की रही है। यदि 25 से 50 वर्ष के आयुसमूह का हर भारतीय नागरिक दो पौधे भी रोपे, उनका ध्यान रखे, तो 45 डिग्री का औसत तापमान कम करने में समय नहीं लगेगा। पंछी लौटेंगे, अपने घोंसले बुनेंगे, कीटक पेड़ की खोह में घर बसाएँगे, जड़ों में सरीसृप भी बिल बनाएँगे। जैव विविधता का खंडित चक्र फिर अखंड होने की राह पर चल पड़ेगा।

कहा गया है,

दशकूपसमा वापी दशवापीसमो ह्रदः।
दशह्रदसमः पुत्रो दशपुत्रसमो द्रुमः।।

दस कुओं के समतुल्य एक बावड़ी, दस बावड़ियों के समतुल्य एक सरोवर, दस सरोवरों के समतुल्य एक सुयोग्य पुत्र और दस पुत्रों के समतुल्य एक वृक्ष कल्याणकारी होता है। पर्यावरण के संरक्षण के लिए अथवा पुण्य के लिए अथवा अकारण, पौधारोपण अवश्य करें। इन पौधों से विकसित होनेवाले वृक्ष, देश को हरा-भरा रख सकते हैं। अनुभव बताता है कि मनुष्य जीवन को भी पल्लवित, पुष्पित एवं सुरभित रखने में हरियाली महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। प्रयास करें कि प्रकृति हरी रहे, परिसर हरा रहे, मन हरा रहे।

बोध कथा

हाथी और चतुर खरगोश

ए क वन में 'चतुर्दन्त' नाम का महाकाय हाथी रहता था। वह अपने हाथीदल का मुखिया था। बरसों तक सूखा पड़ने के कारण वहा के सब झील, तलैया, ताल सूख गये, और वृक्ष मुरझा गए। सब हाथियों ने मिलकर अपने गजराज चतुर्दन्त को कहा कि हमारे बच्चे भूख-प्यास से मर गए, जो शेष हैं मरने वाले हैं। इसलिये जल्दी ही किसी बड़े तालाब की खोज की जाय।

बहुत देर सोचने के बाद चतुर्दन्त ने कहा----मुझे एक तालाब याद आया है। वह पातालगडगा के जल से सदा भरा रहता है। चलो, वहीं चलें। पाँच रात की लम्बी यात्रा के बाद सब हाथी वहाँ पहुँचे। तालाब में पानी था। दिन भर पानी में खेलने के बाद हाथियों का दल शाम को बाहर निकला। तालाब के चारों ओर खरगोशों के अनगिनत बिल थे। उन बिलों से जमीन पोली हो गई थी। हाथियों के पैरों से वे सब बिल टूट-फूट गए। बहुत से खरगोश भी हाथियों के पैरों से कुचले गये। किसी की गर्दन टूट गई, किसी का पैर टूट गया। बहुत से मर भी गये।

हाथियों के वापस चले जाने के बाद उन बिलों में रहने वाले क्षत-विक्षत, लहू-लुहान खरगोशों ने मिल कर एक बैठक की। उस में स्वर्गवासी खरगोशों की स्मृति में दु:ख प्रगट किया गया तथा भविष्य के संकट का उपाय सोचा गया। उन्होंने सोचा----आस-पास अन्यत्र कहीं जल न होने के कारण ये हाथी अब हर रोज इसी तालाब में आया करेंगे और उनके बिलों को अपने पैरों से रौंदा करेंगे। इस प्रकार दो चार दिनों में ही सब खरगोशों का वंशनाश हो जायगा। हाथी का स्पर्श ही इतना भयडकर है जितना साँप का सूँघना, राजा का हँसना और मानिनी का मान। इस संकट से बचाने का उपाय सोचते-सोचते एक ने सुझाव रखा----हमें अब इस स्थान को छोड़ कर अन्य देश में चले जाना चाहिए। यह परित्याग ही सर्वश्रेष्ठ नीति है। एक का परित्याग परिवार के लिये, परिवार का गाँव के लिये, गाँव का शहर के लिये और सम्पूर्ण पृथ्वी का परित्याग अपनी रक्षा के लिए करना पड़े तो भी कर देना चाहिये।

किन्तु, दूसरे खरगोशों ने कहा----हम तो अपने पिता-पितामह की भूमि को न छोड़ेंगे। कुछ ने उपाय सुझाया कि खरगोशों की ओर से एक चतुर दूत हाथियों के दलपति के पास भेजा जाय। वह उससे यह कहे कि चन्द्रमा में जो खरगोश बैठा है उसने हाथियों को इस तालाब में आने से मना किया है। संभव है चन्द्रमास्थित खरगोश की बात को वह मान जाय।बहुत विचार के बाद लम्बकर्ण नाम के खरगोश को दूत बना कर हाथियों के पास भेजा गया। लम्बकर्ण भी तालाब के रास्ते में एक ऊँचे टीले पर बैठ गया; और जब हाथियों का झुण्ड वहाँ आया तो वह बोला----यह तालाब चाँद का अपना तालाब है। यह मत आया करो।गजराज----तू कौन है ?लम्बकर्ण----मैं चाँद में रहने वाला खरगोश हूँ। भगवान चन्द्र ने मुझे तुम्हारे पास यह कहने के लिये भेजा है कि इस तालाब में तुम मत आया करो।गजराज ने कहा----जिस भगवान चन्द्र का तुम सन्देश लाए हो वह इस समय कहाँ है ? लम्बकर्ण---इस समय वह तालाब में हैं। कल तुम ने खरगोशों के बिलों का नाश कर दिया था। आज वे खरगोशों की विनति सुनकर यहाँ आये हैं। उन्हीं ने मुझे तुम्हारे पास भेजा है। गजराज----ऐसा ही है तो मुझे उनके दर्शन करा दो। मैं उन्हें प्रणाम करके वापस चला जाऊँगा। लम्बकर्ण अकेले गजराज को लेकर तालाब के किनारे पर ले गया। तालाब में चाँद की छाया पड़ रही थी। गजराज ने उसे ही चाँद समझ कर प्रणाम किया और लौट पड़ा। उस दिन के बाद कभी हाथियों का दल तालाब के किनारे नहीं आया।

सूद-मूल बराबर

गो नू झा अपने आरम्भिक दिनों में बहुत गरीब थे। दो जून की रोटी जुटाना उनके लिए कठिन था। ऐसे ही दिनों में घर में ऐसी जरूरत आ पड़ी जिसे टालना मुश्किल था। गोनू झा को महाजन के पास जाना पड़ा और उससे सूद पर दो सौ रुपए उधार लेना पड़ा। दिन बीतते गए। चाहकर भी गोनू झा महाजन का पैसा वापस नहीं कर पाए। सूद बढ़ता गया। एक दिन गोनू झा के घर महाजन आ धमका और पैसे वापस करने की जिद करने लगा। गोनू झा उसे टालना चाह रहे थे मगर महाजन था कि टलने का नाम नहीं ले रहा था। गोनू झा से महाजन ने ठेठ लहजे में कहा – पंडित जी , सब्र की भी सीमा होती है। अब सूद – मूल मिलकर चार सौ रुपए हो गए। बिना पैसे लिए मैं यहाँ से जाने वाला नहीं।

गोनू झा परेशान हो गए। अन्त में उन्होंने कहा – मुझे एक चिट्ठी लिख लेने दो –फिर सूद मूल की बात करना। गोनू झा ने एक कागज पर चिट्ठी लिखी। चिट्ठी को मोड़कर धोती के फेंट में लपेट लिया और फिर महाजन से बोले – सेठ जी ! आप नहीं मान रहे हैं तो लीजिए, अब मैं अपनी इहलीला समाप्त कर रहा हूँ। मैंने यह चिट्ठी महाराज के नाम लिखी है जिसमें मैंने साफ – साफ लिख दिया है कि मैंने महाजन से सूद पर दो सौ रुपए लिए थे। महाजन का कहना है कि सूद समेत मुझे चार सौ रुपए देने हैं और मेरे पास पैसे नहीं हैं। इसलिए मैं अपनी फजीहत कराने से अच्छा मर जाना समझकर फाँसी लगा रहा हूँ।

गोनू झा ने एक धोती समेटी और उसका फंदा बनाकर बनेरी में बाँधने लगे। महाजन के हाथ के मानो तोते उड़ गए। उसे जैसे काठ मार गया। जब गोनू झा ने धोती का फंदा अपने गले में लगाया तो महाजन को होश आया और उसने गोनू झा के पाँव पकड़ लिए तथा वह गिड़गिड़ाने लगा – नहीं महाराज , नहीं। आप ऐसा काम नहीं करें। ब्रह्महत्या का पाप मुझ पर लगेगा मेरा परलोक बिगड़ेगा। मैं सूद छोड़ने को तैयार हूँ। आप मेरा मूल दो सौ रुपये लौटा दें , मैं खुशी- खुशी चला जाऊँगा। लेकिन गोनू झा नहीं माने। उन्होंने कहा – मैं दो सौ रुपया कहाँ से दूँ? मेरे पास एक धेला भी नहीं है। ऐसी जिन्दगी से तंग आ गया हूँ। मेरे लिए मर जाना ही बेहतर है।

महाजन यह सोचकर डर गया था कि गोनू झा की चिट्ठी से उस पर उन्हें आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का आरोप लगेगा और वह महाराज के कोप का भाजन बन जाएगा। डर से महाजन के प्राण सूख रहे थे। शरीर से ठंडा पसीना रिस रहा था। उसने गोनू झा से कहा पंडित जी ! दो दिन के बाद ही मेरे बेटे का विवाह है। इसीलिए पैसे की जरूरत है वरना मैं आपके दरवाजे पर कदम भी नहीं रखता। चलिए मैं मूल में से एक सौ रुपए और छोड़ देता हूँ। मुझे बाकी पैसे दे दीजिए, मैं वापस चला जाऊँगा। गोनू झा ने अपने गले से फंदा हटाया। चौकी से नीचे उतरे। बहुत शान्त स्वर में उन्होंने महाजन से कहा – ठीक है। आपसे मैंने दो सौ रुपए उधार लिए थे। उसमें से आपने एक सौ रुपए छोड़ दिए हैं। अब आपको मुझसे सौ रुपए लेने हैं। परसों आपके बेटे की शादी है। मैं पंडित हूँ। यह शादी मैं करा दूंगा। एकावन रुपए शादी कराने के, इक्कीस रुपए तिलक के, इक्कीस रुपए नवग्रह शान्ति के तथा इक्कीस रुपए गाँठ बाँधने के यानी कुल एक सौ चौदह रुपए बनते हैं। अब आप यह मान लें कि आपने मुझे पंडिताई के लिए सौ रुपए पेशगी दी है। विवाह सम्पन्न हो जाने के बाद आप मुझे चौदह रुपए दे दीजिएगा। अब जाइए, विवाह की तैयारी कीजिए। हमारा आपका हिसाब बराबर हो चुका है। बेचारा महाजन चुपचाप वहाँ से चला गया और गोनू झा के चेहरे पर मुस्कान खेलने लगी।

वीर गाथा

हवलदार दयाल सिंह : देश के लिए प्राण दिए, आखिरी सांस तक हौसला नहीं छोड़ा

ह वलदार दयाल सिंह का जन्म उत्तराखंड के देहरादून ज़िले के नाथूवाला गांव में हुआ था। माता शांति देवी और पिता सुरेंद्र सिंह के बेटे दयाल सिंह बचपन से ही साहसी और दृढ़ निश्चयी थे। वे स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद भारतीय सेना में भर्ती हुए थे। उन्हें 8 गढ़वाल राइफल्स में शामिल किया गया था। साल 2010 में, दयाल सिंह अपनी यूनिट के साथ जम्मू-कश्मीर में तैनात थे। वहां 'ऑपरेशन रक्षक' के तहत आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही थी। यूनिट के जवानों को हर समय सतर्क रहना होता था।13 जनवरी, 2010 को सेना को कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया सूत्रों से सूचना मिली। इसके बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया। दयाल सिंह को जिम्मेदारी सौंपी गई कि वे एक संदिग्ध मकान की घेराबंदी करें। अचानक आतंकवादियों ने उन्हें देख लिया। वे उनकी ओर गोलीबारी करने लगे। हवलदार दयाल सिंह ने तुरंत मोर्चा संभाला और उस रास्ते को रोक दिया, जहां से आतंकवादी भाग सकते थे। आतंकवादियों की अंधाधुंध गोलीबारी के बावजूद दयाल सिंह ने इस बात का ध्यान रखा कि नजदीक ही एक झोपड़ी में मौजूद आम नागरिकों को कोई नुकसान नहीं हो।

दयाल सिंह ने बहुत सटीकता से गोलियां चलाईं। वे फंसे हुए नागरिकों को बाहर निकालते रहे और आतंकवादियों से मुकाबला करते रहे। उन्होंने एक आतंकवादी को मार गिराया। वे खुद भी गंभीर रूप से घायल हुए थे। उनकी बाईं आंख में गोली लगी थी। दयाल सिंह दृढ़ संकल्प के साथ प्रहार करते रहे। उनका बहुत ज्यादा खून बह गया था, जिससे वे बेहोश हो गए थे। वे इसी दौरान भारत मां की गोद में समा गए। असाधारण साहस और शौर्य का प्रदर्शन करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए हवलदार दयाल सिंह पर पूरे देश को गर्व है। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

लू से मस्तिष्क और आंखों के स्वास्थ्य पर बुरा असर, चिकित्सकों ने दी सावधानी बरतने की सलाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। देश के कई हिस्सों में लू के प्रकोप के बीच चिकित्सकों ने चेतावनी दी कि लंबे समय तक गर्मी में रहने से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बल्कि आंखों व तंत्रिका तंत्र की कार्यप्रणाली पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और ये विशेष रूप से बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और पहले से ही किसी बीमारी से ग्रसित लोगों के लिए खतरे की घंटी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ते तापमान, शरीर में पानी की कमी और लंबे समय तक धूप में रहने से शरीर का आंतरिक संतुलन बिगड़ सकता है और संवेदनशील व्यक्तियों में थकान, चक्कर आना, तेज सिरदर्द, माइग्रेन, थकावट और यहां तक कि तंत्रिका संबंधी जटिलताएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। चिकित्सकों ने बताया कि दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के अस्पतालों में गर्मी से संबंधित बीमारियों की शिकायत करने वाले मरीजों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है, जिनमें आंखों में जलन, पानी की कमी से होने वाला सिरदर्द और गर्मी से उत्पन्न तंत्रिका संबंधी लक्षण शामिल हैं।

दिल्ली के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में न्यूरोलॉजी के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. विनीत सूरी ने बताया, लू का असर अब सामान्य गर्मी से संबंधित बीमारियों से परे भी दिखने लगा है। हमारी ओपीडी में तंत्रिका संबंधी शिकायतों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। उन्होंने बताया, पिछले कुछ दिनों में ओपीडी में आने वाले मरीजों की संख्या में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अधिक लोग गंभीर सिरदर्द, चक्कर आना, भ्रम, बेहोशी, पहले से मौजूद तंत्रिका संबंधी समस्याओं का बिगड़ना और विशेष रूप से माइग्रेन जैसे लक्षणों की शिकायत लेकर आ रहे हैं।

डॉ. सूरी ने बताया कि तेज धूप और लंबे समय तक धूप में रहने से कुछ लोगों में माइग्रेन के लक्षण बढ़ सकते हैं। उन्होंने बताया कि अत्यधिक गर्मी और शरीर में पानी की कमी से मस्तिष्क में रक्त प्रवाह प्रभावित हो सकता है, इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बिगड़ सकता है और तंत्रिका तंत्र पर काफी दबाव पड़ सकता है, खासकर संवेदनशील व्यक्तियों में।

शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ 35 वर्षों के संबंधों पर पुस्तक लिखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपनी नयी किताब में कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की असाधारण गर्मजोशी और संवेदनशीलता ने उन्हें 2023 के विधानसभा चुनावों से ठीक पहले एक बड़े राजनीतिक संकट से उबारने में मदद की। चौहान ने 'अपनापन' नामक इस पुस्तक में प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने 35 वर्षों के संबंधों और अनुभवों का वर्णन किया है। किताब में वर्णित अंशों के अनुसार, जब भाजपा ने 2023 के मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की, तो चौहान ने सोचा कि पहले उन सीटों के उम्मीदवारों के नाम घोषित किए जाएंगे, जहां भाजपा की स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर मानी जा रही थी।

उन्होंने लिखा, मेरा नाम शुरुआती सूचियों में शामिल नहीं था। किताब के अनुसार, इसी दौरान एक जनसभा में तत्कालीन मुख्यमंत्री ने राज्य में विकास का उल्लेख करते हुए कहा था, अगर हम नहीं रहे, तो हमें बहुत याद किया जाएगा। उन्होंने लिखा कि विपक्ष ने इस बयान को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया और यह प्रचारित किया कि चौहान का राजनीतिक करियर समाप्त हो गया है। चौहान ने लिखा कि विपक्ष के कुछ लोगों ने उनका मजाक उड़ाया। मौजूदा कृषि मंत्री चौहान ने कहा, उन्होंने (विपक्ष ने) यह तक कह दिया कि मामाजी का तो राजनीतिक अंतिम संस्कार भी कर दिया गया है। चौहान ने किताब में लिखा कि कांग्रेस पार्टी ने गलत सूचना को अपनी चुनावी रणनीति का मुख्य आधार बना लिया और उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश करते हुए सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

उन्होंने लिखा, शायद वे हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल गिराना चाहते थे। मुझे भी लगा कि हमें अपने कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करने और गलत धारणा को तोड़ने के लिए कुछ करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने लिखा कि जब वह उस समय को याद करते हैं, तो उन्हें कांग्रेस की मजाक उड़ाने वाली बातें याद नहीं आतीं, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी की गहरी भावनात्मक संवेदनशीलता सामने आती है।

सम्मान

केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह को शिर्डी के साईं बाबा मंदिर के दौरे के दौरान श्री साईं बाबा संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गदिलकर द्वारा सम्मानित किया जा रहा है। इस दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी नजर आ रहे हैं।

कान्स 2026 में ऐश्वर्या राय ने बिखेरा जलवा, आराध्या पर टिकी रह गईं फैंस की नजरें

मुंबई/एजेन्सी

काफी लंबे वक्त के बाद ब्यूटी क्वीन ऐश्वर्या राय बच्चन कान्स फिल्म फेस्टिवल में पहुंची हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें काफी चर्चाओं में हैं। बॉलीवुड स्टार पूरी तरह बेबी पिंक रंग के आउटफिट में बड़े ही ग्रेस के साथ पोज देती नजर आईं। इस बार ऐश्वर्या के साथ फैंस की निगाहें आराध्या बच्चन पर भी टिकी रहीं। ऐश्वर्या के साथ उनकी बेटी आराध्या बच्चन भी थीं, जिन्होंने सैटिन रेड गाउन पहना था। इसके साथ एक चमकदार केप भी थी। इस आउटफिट में वह अपनी मां के लुक को खूबसूरती से कॉम्प्लिमेंट कर रही थीं। ऑनलाइन वायरल हो रही

कुछ अन्य तस्वीरों में ऐश्वर्या फ्रेंच रिवेरा के बैकग्राउंड में पोज देती नजर आईं। वह पेस्टल पिंक रंग के ड्रेप्ड आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, जिसमें चमकदार फूलों की कढ़ाई और फ्लोइंग केप स्लीव्स थीं।

फ्रेंच रिवेरा के शानदार बैकग्राउंड में पोज देती अभिनेत्री की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब चर्चाओं में हैं। हेयरस्टाइल और मेकअप के लिए उन्होंने सॉफ्ट कर्ल्स को बरकरार रखा। इसके साथ उन्होंने ग्लॉसी मेकअप और स्टेटमेंट ज्वेलरी को चुना। कान्स 2026 में अपने पहले लुक के लिए अभिनेत्री ने शानदार रॉयल ब्लू बॉडीकॉन गाउन में रेड कार्पेट पर वॉक किया। इस आउटफिट में कंधों के पास खास तरह की डिटेलिंग थी और पूरे गाउन पर चमकदार कढ़ाई की गई थी। ऐश्वर्या ने इस आउटफिट को बेहद कम एक्सेसरीज के साथ स्टाइल किया। गुरुवार रात ऐश्वर्या को अपनी बेटी आराध्या बच्चन के साथ मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कान्स फिल्म फेस्टिवल के लिए रवाना होते हुए देखा गया।

'है जवानी तो इश्क होना है' का ट्रेलर आउट

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता वरुण धवन स्टारर फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का ट्रेलर शनिवार को रिलीज कर दिया है, जिसे दर्शकों की तरफ से काफी सराहना मिल रही है। यह मजेदार कॉमेडी ड्रामा फिल्म एक दिलचस्प प्रेम-त्रिकोण पर आधारित है। ट्रेलर में रोमांस, सस्पेंस और कॉमेडी का तड़का देखने को मिल रहा है। इसमें वरुण और मृणाल पति-पत्नी के किरदार में हैं। दोनों के बीच बेहद गहरा प्यार है। हालांकि दोनों के बीच में कुछ मुद्दे भी हैं। वरुण पिता बनना चाहते हैं, लेकिन मृणाल अभी बच्चे के लिए तैयार नहीं है। इसी बीच वरुण की जिंदगी में पूजा हेगड़े की एंट्री होती है और दोनों रिश्ते में आ जाते हैं। इसके बाद, कहानी में तब एक रोचक मोड़ देखने के लिए मिलता है, जब मृणाल और पूजा दोनों एक साथ वरुण को अपनी प्रेग्नेंसी की खुशखबरी देती हैं। इसके बाद शुरू होता है झूठ, कन्फ्यूजन और हंसी का एक ऐसा सफर जो आज से पहले कभी नहीं देखा गया।

वरुण, मृणाल और पूजा की इस लव-ट्रायंगल कॉमेडी में जिमी शेरगिल, मनीष पॉल और राकेश बेदी जैसे मंझे हुए कलाकार भी अपनी कॉमेडी और शानदार डायलॉग्स से तड़का लगाते दिखेंगे। खासकर राकेश बेदी भी अपनी मौजूदगी से स्क्रीन पर जलवा दिखा

बॉलीवुड अभिनेत्री मृणाल ठाकुर (बाएं) और पूजा हेगड़े शनिवार को मुंबई, महाराष्ट्र में अपनी आगामी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के ट्रेलर लॉन्च के दौरान।

रहे हैं। इसके अलावा, ट्रेलर के बैकग्राउंड में बज रहा सलमान खान का आइकॉनिक गाना 'चुनरी चुनरी' इस पूरे वीडियो में चार चांद लगा रहा है। फिल्म की स्टोरी, गाने और कलाकारों के केमिस्ट्री को देखते हुए दर्शक काफी उत्साहित हैं। कॉमेडी और रोमांस का यह अनोखा मिश्रण पर्दे पर धमाल मचाने वाला है। पहले ट्रेलर 21 मई को रिलीज किया जाना था, लेकिन कुछ वजह से ऐसा नहीं किया गया। फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के विषय की बात करें तो यह एक रोमांटिक और कॉमेडी से भरपूर फिल्म है। इसका निर्देशन मशहूर निर्देशक डेविड धवन कर रहे हैं। खास बात यह है कि एक बार फिर डेविड धवन और उनके बेटे वरुण धवन की जोड़ी साथ काम करती नजर आएगी। इस फिल्म में जिमी शेरगिल और मनीष पॉल भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। यह फिल्म 5 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

केरल के परिवहन मंत्री सीपी जॉन शनिवार को केरल के तिरुवनंतपुरम में 68वीं 'कलरीपायट्टु' चैंपियनशिप के दौरान एक मार्शल आर्ट कलाकार (युद्ध कला के खिलाड़ी) से बातचीत करते हुए।

निरीक्षण

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और विधायक हरीश खुराना के साथ, नई दिल्ली में दिल्ली के प्रदूषण विरोधी अभियान के तहत उन्नत 'मेड इन इंडिया' वायु शोधन (एयर प्यूरीफिकेशन) तकनीकों का निरीक्षण करती हुईं।

जल सेवा

भीषण गर्मी के बीच शनिवार को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज रेलवे जंक्शन पर ट्रेन में सवार होने वाले यात्रियों को पीने का पानी पिलाते स्वयंसेवक।

ऋचा चड्ढा और अली फजल न्यूजीलैंड के पहले भारतीय फिल्म महोत्सव के उद्घाटन में होंगे शामिल

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेता और निर्माता ऋचा चड्ढा और अली फजल दो जून को न्यूजीलैंड के पहले भारतीय फिल्म महोत्सव के उदघाटन में शामिल होंगे। पेट्रीना डी'रोजारियो द्वारा स्थापित 'द इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ न्यूजीलैंड' (टीआईएफएफएनजेड) समारोह अक्टूबर 2026 से शुरू होगा।

भारतीय सिनेमा के इस चार दिवसीय उत्सव का आयोजन ऑकलैंड, वेलिंगटन और क्राइस्टचर्च में किया जाएगा।एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, फिल्म समारोह के उदघाटन संस्करण में स्क्रीनिंग, कार्यशालाएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम और उद्योग जगत के साथ संवाद शामिल होंगे, जिनका उद्देश्य दोनों देशों के बीच रचनात्मक संबंधों को मजबूत करना है।इसके मुताबिक, इस समारोह का उदघाटन दो जून को होगा। जिसमें ऋचा चड्ढा की 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' फिल्म भी दिखाई जाएगी। यह फिल्म इस दंपति (ऋचा चड्ढा और अली फजल) का पहला फिल्म निर्माण कार्य है। इस फिल्म को सनडांस फिल्म महोत्सव और 'इंडिपेंडेंट स्पिरिट अवार्ड्स' सहित अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रशंसा मिली है।

एक संयुक्त बयान में, दंपति ने कहा कि वे इस समारोह के उदघाटन का हिस्सा बनकर खुश हैं क्योंकि उनका मानना है कि फिल्म महोत्सव संवाद स्थापित करने और विविध कहानियों को जगह देने के लिए महत्वपूर्ण मंच होते हैं। उन्होंने कहा, भारतीय सिनेमा को एक संरचित और उत्सव के रूप में न्यूजीलैंड ले जाने का विचार समय के अनुकूल और सार्थक लगता है। हम इस नए अध्याय का समर्थन करने और वहां के दर्शकों से जुड़ने के लिए उत्सुक हैं।

संघर्ष से रहा मेरा गहरा नाता : शेफाली शाह

मुंबई। बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में अपनी दमदार अदायगी से अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री शेफाली शाह को भला कौन नहीं जानता होगा? अपने संजीदा अभिनय और मजबूत किरदारों के जरिए उन्होंने दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। फिल्मों से लेकर ओटीटी प्लेटफॉर्म तक आज उन्हें हर जगह दर्शक स्वीकार कर चुके हैं। शेफाली शाह आज सफलता के आसमान पर हैं। हालांकि, सफलता तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं रहा। बचपन के संघर्षों से लेकर इंडस्ट्री में खुद को साबित करने तक, उन्होंने हर चुनौती का डटकर सामना किया। संघर्षों से भरे सफर के बावजूद शेफाली ने कभी हार नहीं मानी। यही वजह है कि आज वह फिल्म इंडस्ट्री की सबसे भरोसेमंद और दमदार अभिनेत्रियों में शुमार हैं।

22 मई 1973 को जन्मीं शेफाली शाह बचपन से ही अभिनय की दुनिया में अपना नाम बनाना चाहती थीं। वह एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखती थीं और शुरुआती दिनों में आर्थिक परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि उनका परिवार लंबे समय तक स्थायी घर के बिना रहा। कई बार रिश्तेदारों और परिचितों के सहारे रहने की नौबत भी आई। इन कठिन परिस्थितियों ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाया और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। शेफाली ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल साल 1995 में आई राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'रंगीला' से की थी। इस फिल्म में भले ही उनका छोटा किरदार था, लेकिन उन्होंने अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी थी। इसके बाद उन्हें फिल्म 'सत्या' में काम करने का मौका मिला, जिसने उनके करियर को नई दिशा दी। इस फिल्म में उनके अभिनय को समीक्षकों और दर्शकों दोनों ने खूब सराहा। उन्हें इस भूमिका ने इंडस्ट्री में पैर जमाने में मदद की।

इसके बाद शेफाली शाह ने कई यादगार फिल्मों में काम किया। 'वक्त : द रेस अगेंस्ट टाइम', 'गांधी माई फादर', '15 पार्क एवेन्यू', 'दिल धड़कने दो', 'डॉक्टर जी', 'थ्री ऑफ अस' और आलिया भट्ट स्टारर 'डार्लिंग्स' जैसी फिल्मों में उन्होंने शानदार अंदाज के साथ पर्दे पर अपनी अभिनय क्षमता साबित की। खास बात यह रही कि उन्होंने कभी खुद को किसी एक तरह

की भूमिका तक सीमित नहीं रखा। हालांकि, एक से बढ़कर एक किरदार के साथ कई जॉनर की फिल्मों में लंबे समय तक काम करने के बावजूद उन्हें वह लोकप्रियता नहीं मिली जिसकी वह हकदार थीं। इसके बाद उन्होंने ओटीटी प्लेटफॉर्म की ओर रुख किया और यहीं से उनके करियर ने नई ऊंचाइयों को छूना शुरू किया। वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम' में पुलिस अधिकारी वर्तिका चतुर्वेदी के किरदार ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई। इस सीरीज को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिली और इसके दूसरे सीजन को इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में नामांकन मिला। इसके अलावा, 'ह्यूमन' जैसी सीरीज में भी उनके अभिनय को खूब पसंद किया गया।

आज शेफाली शाह को ओटीटी की सबसे मजबूत अभिनेत्रियों में गिना जाता है। उनकी खासियत यह है कि वह हर किरदार को बेहद सहज और वास्तविक अंदाज में पर्दे पर उतारती हैं। निजी जिंदगी में भी शेफाली काफी संतुलित जीवन जीती हैं। वह फिल्म निर्देशक विपुल शाह के साथ खुशहाल वैवाहिक जीवन बिता रही हैं। इससे पहले उनकी शादी अभिनेता हर्ष छाया से हुई थी।

अंतरात्मा की आवाज पर चुना 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाला किरदार : सान्विका

मुंबई/एजेन्सी

वेब सीरीज 'पंचायत' में रिंकी का मासूम किरदार निभाने के बाद अभिनेत्री सान्विका अब आगामी वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाले किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री इसमें माया के किरदार में एक शातिर ठग की भूमिका निभा रही हैं, जो रईस लड़कों को प्यार के जाल में फंसाकर उनसे शादी करती है और फिर नकदी व गहने लेकर फरार हो जाती है। अपने किरदार के बारे में आईएएनएस से खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि मेकर्स ने इस रोल के लिए उन्हें चुना। अभिनेत्री ने कहा, शुरुआत में तो मैं खुद सोच में पड़ गई थी कि क्या मैं पर्दे पर ऐसी शातिर ठग का किरदार निभा पाऊंगी, लेकिन मुझे खुशी है कि मेकर्स ने मुझ पर पूरा भरोसा किया। अभिनेत्री से आईएएनएस ने सवाल किया, पंचायत में दर्शकों ने आपको एक मासूम लड़की के तौर पर देखा था। क्या माया जैसा ग्रे किरदार चुनना आपके लिए एक जोखिम था?

इस सवाल के जवाब में सान्विका ने कहा, मैं इसे जोखिम बिल्कुल भी नहीं मानती, क्योंकि मैं किसी भी प्रोजेक्ट को चुनते समय अपने दिल की आवाज पर भरोसा करती हूं। जब मैंने पहली बार इस शो का छोटा-सा सारांश सुना था, तभी मैं इस किरदार को निभाने के लिए रोमांचित हो उठी थी। यह रोल मेरे लिए पहले निभाए गए किरदारों से बिल्कुल अलग है। एक कलाकार के तौर पर अपने अभिनय की विविधता दिखाने के ऐसे मौके बहुत कम मिलते हैं। सान्विका ने आगे बताया कि जहां आज के समय में ज्यादातर क्राइम शोज गंभीर, डार्क और तनावपूर्ण होते हैं, वहीं 'लुटेरी दुल्हन' थोड़ी अलग है। उन्होंने कहा, हमारी सीरीज अपराध के इर्द-गिर्द बुनी गई होने के बावजूद काफी हल्की-फुल्की और मनोरंजक है।अभिनेत्री का कहना है कि यह एक महिला केंद्रित कहानी है। आमतौर पर भारतीय सिनेमा और शोज में पुरुष अपराधियों और पुरुष पुलिस अधिकारियों के बीच की जंग दिखाई जाती है, लेकिन इस सीरीज में दर्शकों को कुछ अलग देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, इस सीरीज में अनोखा ट्विस्ट यह है कि चोरी करने वाली अपराधी भी एक महिला है और उसका पीछा करने वाली पुलिस अधिकारी भी महिला ही है। यह बात कहानी में नयापन और ताजगी लाती है। आजकल ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर महिला प्रधान थ्रिलर फिल्मों और सीरीज का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इस बदलाव पर बात करते हुए सान्विका से पूछा गया कि क्या आज के दर्शक ग्लैमरस हीरोइनों के बजाय जमीन से जुड़े और गहरे किरदारों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं? अभिनेत्री ने कहा, आज का सिनेमा पूरी तरह बदल चुका है। दर्शकों के लिए अब पर्दे पर दिखने वाला ग्लैमर या चमक-धमक से कहीं ज्यादा कहानी की गहराई मायने रखती है। अगर कहानी में दम है, तो वह दर्शकों को जरूर बांधे रखेगी।

जनसंख्या संतुलन के बिना बिगड़ जाएंगे सामाजिक समीकरण : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगावती। स्थानीय मनवांछित पार्श्वनाथ जैन श्वेतांबर संघ के तत्वावधान में शनिवार को जैन समाज के विभिन्न संप्रदायों की संयुक्त धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि देश में सामाजिक समरसता, आपसी सद्भावना और शांति व उन्नति के लिए जनसंख्या का संतुलन एक महत्वपूर्ण कारक तत्व है। बिना उसके अपनी संस्कृति, संस्कार, भाषा, मान्यता और परंपराएं बचाई नहीं जा सकती। स्वाभिमान से जीवनयापन करने के लिए अपने आसपास वैसे वातावरण का होना अत्यंत आवश्यक है। दुर्भाग्य से पिछले कुछ दशकों से अपने देश में कुछ समाजों का प्रजननदर निरंतर बढ़ती जा रही है, जबकि कुछ की प्रजननदर सतत घटती जा रही है। इस तरह अगर जनसंख्या का संतुलन नहीं रहा तो वह सामाजिक समीकरणों को पूरी तरह प्रभावित करेगा। संतुलन के अभाव में आपसी विवाद, अशांति, अन्याय, अत्याचार बढ़ जाएंगे। यह बिलकुल सामने दिखाई दे रही एक भयावह सच्चाई है, जिस पर समय रहते हर छोटे समाज को सोचने की आवश्यकता है।

संतश्री ने कहा कि देश में कभी लाखों की संख्या में अस्तित्व में रहा पारसी समुदाय आज समाप्ति के कगार पर है। देश में उनकी जनसंख्या 69 हजार और समग्र विश्व में एक लाख चालीस हजार मात्र बची है। आने वाले तीन दशकों में पारसी इस दुनिया से पूरी तरह समाप्त हो जाएंगे।आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि पारसियों के बाद जैन समुदाय देश व विश्व में समाप्त होने वाला दूसरा समाज होगा। किसी भी समाज को जिंदा रहने के लिए उसकी प्रजननदर कम से कम 2.11 प्रतिशत होनी चाहिए। दुर्भाग्य से जैन समाज का प्रजननदर निरंतर कम होता जा रहा है और यह समाज के लिए खतरे की घंटी है। इस लिहाज से जैन समुदाय की उल्टी गिनती प्रारंभ हो चुकी है। मानकर चलिए, जैन समाज अपने अस्तित्व की यह आखिरी लड़ाई लड़ रहा है।

प्रवचनसभा में गणि पद्मविमल सागरजी, तत्वविमलसागरजी, वीरविमल सागरजी, पुण्यविमल सागरजी, तीर्थविमलसागरजी तथा स्थानकवासी श्रमणसंघ की साध्वी डॉ. इंदुप्रभाजी व दर्शनप्रभाजी आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। जैन संघ के अशोक हुंडिया ने बताया कि गंगावती के अलावा, बल्लारी, होसपेट, कोप्पल, कंपली, हिरियूर, हुब्बल्ली, सिंधनूर, मानवी, रायचूर और कारटगी के जैन समाज के श्रद्धालु उपस्थित थे।

शूले स्थानक भवन में साप्ताहिक धार्मिक कक्षाएं प्रारंभ

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन ट्रस्ट एवं संघ के तत्वावधान में शनिवार को महावीर जैन स्थानक भवन में साप्ताहिक धार्मिक कक्षा का शुभारंभ हुआ। शूले संघ के अध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने सभी का स्वागत दिया। संघ के मंत्री सुनील कुमार मरलेचा ने बताया कि इस धार्मिक अनुष्ठान में नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप, भक्तामर स्तोत्र का पठन और विभिन्न प्रार्थनाएं हुई। भविष्य में हर शनिवार को शूले में धार्मिक आराधना गतिमान रहेगी। अंत में मंगल पाठ, शूले संघ के पूर्व अध्यक्ष यशवंत राज सांखला ने दिया।

जैन प्रबुद्ध मंच द्वारा गाय को 'राष्ट्रीय पशु' घोषित करने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'गौवध पर सख़्त राष्ट्रीय कानून बनाने व गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करवाने के लिए लगातार आवाज उठाने वाली जैन समाज की राष्ट्रीय संस्था 'राष्ट्रीय जैन समता वाहिनी' के महासचिव सोहन मेहता एवं राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत 'जैन प्रबुद्ध मंच' के कर्नाटक प्रान्त के प्रादेशिक अध्यक्ष दिनेश बोहरा व महासचिव ललित डाकलिया ने मुस्लिम समाज की मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा गौकसी पर सख्त राष्ट्रीय कानून बनाने और गौ माता को हर हाल में राष्ट्रीय पशु घोषित करने की सामूहिक मांग उठाई। मेहता, बोहरा व डाकलिया व अन्य सदस्यों ने कहा कि जब हिन्दू व मुस्लिम दोनों समाज एक राय के साथ एक माँग कर रहे हैं तो मोदी सरकार को चाहिए कि अविलंब गौवध पर सख्त कानून बनाकर गौमाता को राष्ट्रीय पशु घोषित करें।

साथ ही गौ रक्षा को संरक्षण देने के लिए केन्द्रीय गौ मंत्रालय का पृथम निर्माण कर देश भर में चल रही गौ शालाओं के वैज्ञानिक रखरखाव व आधुनिक संवर्धन के लिए केंद्रीय कोष निर्मित कर उनकी व्यवस्था संभालें।

'मास्टर दि स्कूप', आइसक्रीम निर्माण कार्यशाला में सीखा घर पर आइसक्रीम बनाना

जीतो साउथ लेडीज विंग, अपेक्स एवं केकेजी ने किया आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ लेडीज़ विंग ने सक्षम पहल के अंतर्गत जीतो लेडीज़ विंग अपेक्स एवं केकेजी ज़ोन के सहयोग से शुक्रवार को ऑनलाइन तरीके से राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला 'मास्टर दि स्कूप' आइसक्रीम निर्माण कार्यशाला' का आयोजन किया गया जिसमें देशभर से 300 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। साउथ की महिला अध्यक्षा बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यशाला को सीख, रचनात्मकता एवं स्वरोजगार का संगम बताया। उन्होंने घर पर बनी आइसक्रीम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ परिवारों में स्वाद, स्वास्थ्य एवं खुशियों का संदेश देती हैं।

केकेजी ज़ोन लेडीज़ विंग की संयोजिका पिंकी जैन ने घर पर स्वच्छ एवं स्वास्थ्यवर्धक आइसक्रीम बनाने को अधिक सुरक्षित एवं समझदारी भरा विकल्प बताया तथा इस अनूठी ग्रीष्मकालीन कार्यशाला के लिए बैंगलोर साउथ चैप्टर की सराहना की।

केकेजी ज़ोन के चेयरमैन प्रवीण बाफना ने कहा कि आइसक्रीम निर्माण सीखना केवल एक कला नहीं, बल्कि महिलाओं एवं प्रतिभागियों के लिए एक उत्कृष्ट व्यवसायिक अवसर भी बन सकता है। कार्यशाला में जीतो लेडीज़ विंग अपेक्स की अध्यक्षा शीतल दुगड़ ने कहा कि घर पर शुद्ध एवं स्वच्छ तरीके से आइसक्रीम बनाना अधिक सुरक्षित एवं स्वास्थ्यवर्धक है।कार्यक्रम की प्रशिक्षक एवं पाककला प्रशिक्षक, उद्यमी तथा डोनट थैरेपी की सह-संस्थापक संध्या सिंह मोगा ने मास्टर दि स्कूप कार्यशाला में प्रतिभागियों को बिना मशीन, चर्नर एवं जिलेटिन के घर पर स्वादिष्ट, क्रीमी एवं शुद्ध आइसक्रीम बनाने की आसान एवं प्रभावी विधियाँ सिखाईं। उन्होंने क्लासिक वैनिला, डबल चॉकलेट एवं मैंगो आइसक्रीम बनाने की सम्पूर्ण प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से समझाया। साथ ही मौसमी फलों से बनने वाली ताज़गीभरी फ्रूट आधारित आइसक्रीम जैसे स्ट्रॉबेरी, चीकू, लीची, तरबूज एवं पाइनएप्पल आदि के विविध स्वादों की जानकारी भी दी। अंत में आयोजित लाइव प्रश्नोत्तर सत्र में प्रतिभागियों ने प्रश्न पूछे, जिनका उन्होंने विस्तारपूर्वक समाधान किया।

इस अवसर पर श्रमण आरोग्यम वर्टिकल की सुनीता गांधी, आत्मनिर्भर वर्टिकल की बिंदु रायसोनी, संस्थापक अध्यक्षा निशा सामर, बेंगलूरु नॉर्थ की अध्यक्षा लक्ष्मी बाफना, ज़ोन संयोजिकाएँ, विभिन्न चैप्टर के अध्यक्ष व सचिव उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने किया।

मोह की नाव कभी भवसागर पार नहीं करा सकती : डॉ समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए डॉ. समकितमुनि ने मनुष्य के पाखंड, धन की अंधी दौड़ और मोह की गहरी नींद विषय पर प्रवचन देते हुए कहा कि हम जन्मों-जन्मों से जो सफर कर रहे हैं, वह मंजिल की ओर जाने वाली कोई यात्रा नहीं है, बल्कि वह हमारा एक अंतहीन 'भटकाव' है। मोह की यह नाव तुम्हें कभी भवसागर पार नहीं करा सकती। यदि वास्तव में मोक्ष की यात्रा करनी है, तो तुम्हें अपनी इस मोह की यात्रा को इसी क्षण छोड़ना होगा। इंसान की कथनी और करनी के भेद पर चोट करते हुए मुनिश्री ने कहा कि हम मुँह से तो कहते हैं कि हमें 'मुक्ति' चाहिए, लेकिन असलियत में हम मुक्त होना ही नहीं चाहते। हम दिन-रात परिग्रह के पहाड़ खड़े करके खुश हो रहे हैं और झूठा दिखावा करते हैं कि हमें मोक्ष चाहिए। याद रखो, केवल तुम्हारी मीठी बातों से मोक्ष के दरवाजे नहीं खुलेंगे, यदि सांसारिक वस्तुओं और व्यक्तियों से चिपके रहोगे, तो जन्म-मरण के इसी चक्र में पिसते रहोगे। त्यागने की आदत डालो। धन के प्रति मनुष्य के पागलपन पर प्रहार करते हुए संतश्री ने कहा, एक गृहस्थ के लिए अपना जीवन चलाने हेतु पैसा कमाना आवश्यक है, लेकिन उस पैसे के पीछे 'पागल' हो जाना इंसान की सबसे बड़ी मूर्खता है। उतना ही कमाओ, जितना जीवन में भोग सको।

दिन-रात खून-पसीना एक करके जिस दौलत को तुम अपने पीछे छोड़कर जाने वाले हो, क्या तुम्हें पता है कि तुम्हारे पीछे वाले उसका 'सदुपयोग' करेंगे या उसे व्यसनों में उड़ाकर 'दुरुपयोग' करेंगे? इसलिए होश में आओ। दूसरों के भरोसे अपना परलोक दांव पर मत लगाओ। जो भी दान, पुण्य और धर्म करना है, मृत्यु की नींद आने से पहले स्वयं 'अपने ही हाथों' से करके जाना। मुनिश्री ने जीवन का एक अचूक सूत्र देते हुए कहा, संसार का सीधा सा नियम है- 'जैसा बोओगे, वैसा काटोगे।' यदि तुम संसार की वस्तुओं को केवल भोगने में लगे रहोगे, तो जिंदगी भर एक दयनीय 'भोगी' ही बने रहोगे और यदि उन्हें त्यागने का साहस जुटा लोगे, तो महान 'त्यागी' बन जाओगे। जो समय, जो शरीर और जो संपदा आज तुम्हें प्राप्त है, उसे समय रहते पुण्य और धर्म के क्षेत्र में निवेश करो। कोई भी कर्म करने से पहले उसके दूरगामी परिणामों को अपनी खुली आँखों से तौल लो। झहीराबाग संघ के अध्यक्ष डॉ भीकमचंद सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। मंत्री अशोक बांटिया ने संघीय सूचनाएं दी।

आत्म संधान है उपधान, जो आत्मा के शुद्ध व सिद्ध स्वरूप को पाने की चाह जगाता है : आचार्यश्री पार्श्वचंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेशबाग में पंद्रह दिवसीय आत्म आराधना उपधान प्रथम सोपान साधना में श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी ने कहा कि चिर संचित पुण्यों के उदय से चाह जगी है कि अब मुझे अपनी आत्मा के शुद्ध स्वरूप को पाना है। भाग्योदय से हमें आत्मा आराधना उपधान प्रथम सोपान की साधना का जो अवसर मिला है तो अब हमें अपने पुरुषार्थ को जगा कर इस भावना को सफल बना देना है। उन्होंने उपधान का महत्व बताते हुए कहा कि उपधान आत्मसंधान है। उपधान तप आत्मा को जानने, समझने और उसके स्वरूप में रमण करने हेतु संयमी जीवन का अनुभव करने और उसे आत्मसात करने की साधना है।

उपधान की अवधि में पूरे दिन में धर्ममय चर्या होती हैं, जिससे साधक को ज्ञान में वृद्धि के साथ अभूतपूर्व उल्लास और संतोष की अनुभूति होती है। जब साधक श्रद्धा एवं विनयपूर्वक वंदना करता है, तब वह अशुभ कर्म का क्षय करता है और दाक्षिण्य भाव की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि मानव भव अत्यंत दुर्लभ और महान है। इसे आत्म साधना का सर्वोत्कृष्ट अवसर मानकर सफल बनाना है।डॉ. पदमचंद्रमुनिजी ने कहा कि भोगों में सच्चा आनंद नहीं है, त्याग में ही सच्चा आनंद है क्योंकि वह आत्मा के शाश्वत स्वरूप को प्राप्त कराता है। जिसका मन भोगों में लगा है वह संसार से मुक्ति कैसे प्राप्त कर सकता है। जब तक आसक्ति है तब तक मुक्ति असंभव है। उपधान तप आराधना पदार्थों से आत्मा की दृष्टि हटाकर आत्मा की ओर अभिमुख करती है।

हम सभी भाग्यशाली हैं कि गुरुदेव ने अत्यंत दूरदर्शी चिंतन करके आत्म आराधना उपधान प्रथम सोपान के माध्यम से सच्चा मार्गदर्शन प्रदान किया। यदि हमें सच्चा एवं शाश्वत सुख, शांति और आत्मकल्याण चाहिए, तो धर्म आराधना के साथ संयममय जीवन जीना ही होगा।जयधुरंधरमुनिजी ने सम्यक दर्शन को मोक्ष की चाबी बताया। जब सम्यक दर्शन प्राप्त हो जाता है तो मुक्ति की अभिलाषा जागृत हो जाती है और वह साधना में पुरुषार्थ करने में तत्पर हो जाता है। जयपुरंदरमुनिजी ने त्याग का महत्व बताते हुए कहा कि भोगों का त्याग, त्याग से वैराग्य, वैराग्य से वीतरागता, वीतरागता से आत्मा के परम सिद्ध स्वरूप की प्राप्ति करें। प्रातः समणी निदेशिका सुयशनिधिजी ने अणुप्पेहा ध्यान साधना का प्रशिक्षण दिया। प्रवचन के पश्चात मंगलगीत कार्यक्रम में गीतकार कोमल गुलेच्छा फलोदी, कलिंगा जैन, देवांश सियाल ने गीतों द्वारा उपधान आराधना के तपस्वियों की अनुमोदना की। इस मौके पर गुरु ज्येष्ठ पुष्कर आराधना केंद्र के पदाधिकारियों ने आचार्यश्री से गुरु ज्येष्ठ पुष्कर आराधना केंद्र में पधारने का निवेदन किया। दीक्षा महोत्सव में सेवा देने के लिए जेपीपी जैन युवा फाउंडेशन, जेपीपी जैन महिला फाउंडेशन, जयमल जैन महिला मंडल के सदस्यों का जयमल जैन श्रावक संघ के मंत्री मनोहरलाल डूंगरवाल, कोषाध्यक्ष गौतमचंद मकाणा, सहमंत्री महेन्द्रकुमार मेहता, अजीत कुमार बाघमार, उपधान सह संयोजक कोमलचंद धोका आदि ने सम्मान किया।प्रचार प्रसार प्रभारी जेके महावीरचंद चोरड़िया ने रविवार को आयोजित मोक्षमालारोपण कार्यक्रम व अन्य गतिविधियों की जानकारी दी।

संसार में अतिथि बनकर रहें, मालिक बनकर नहीं : साध्वीश्री सत्यप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर स्थित जैन स्थानक में विराजित साध्वीश्री सत्यप्रभाजी ने जीवन की अनित्यता का वर्णन करते हुए कहा कि संसार का प्रत्येक जीव अपने घर से प्रेम करता है। एक छोटा सा पक्षी भी दिनभर आकाश में विचरण करने के बाद संध्या समय अपने घोंसले में लौट आता है। मनुष्य भी जिस स्थान पर रहता है, उसे अपना घर मानकर उससे गहरा लगाव बना लेता है लेकिन ज्ञानी और आत्मदर्शी महापुरुष हमें बताते हैं कि यह संसार और यह शरीर हमारा स्थायी निवास नहीं है। संसार में अतिथि बनकर रहें, मालिक बनकर नहीं। हम सभी इस संसार में एक मुसाफिर के समान हैं और यह शरीर केवल एक अस्थायी निवास है।उन्होंने कहा कि मनुष्य अपना अधिकांश समय शरीर, परिवार, धन-संपत्ति और भौतिक सुविधाओं की सुरक्षा में लगा देता है, जबकि वास्तविक आवश्यकता अपनी आत्मा की रक्षा और उन्नति की है। यह शरीर एक दिन नष्ट हो जाएगा और संसार की सारी वस्तुएँ यहीं रह जाएँगी, लेकिन आत्मा के साथ केवल उसके शुभ-अशुभ कर्म ही जाएँगे। इसलिए जीवन को सार्थक बनाना है तो आत्मचिंतन, स्वाध्याय, संयम और धर्म आराधना को जीवन का आधार बनाना होगा। आत्मा रूपी वास्तविक घर की रक्षा करने वाला व्यक्ति ही सच्चे अर्थों में जीवन का कल्याण कर सकता है।साध्वी तरुणशीलाजी ने कहा कि जहाँ दया है वहाँ धर्म है, जहाँ लोभ है वहाँ पाप है और जहाँ क्रोध है वहाँ विनाश निश्चित है। लेकिन वर्तमान समय में समाज की सोच और प्राथमिकताओं में बड़ा परिवर्तन आया है। धर्म का वास्तविक स्वरूप आत्मशुद्धि और आत्मकल्याण है, लेकिन आज अनेक स्थानों पर धर्म की जगह आडंबर ने ले ली है। उन्होंने कहा कि आज संसार का अधिकांश कार्य आकर्षण और प्रदर्शन के आधार पर तय होने लगा है। व्यक्ति की योग्यता से अधिक उसके बाहरी व्यक्तित्व और आकर्षण को महत्व दिया जा रहा है। यही कारण है कि लोग वास्तविक मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं। साध्वी सिद्धमश्रीजी ने कहा कि मनुष्य के जीवन में क्रोध सबसे बड़ा शत्रु है, जो व्यक्ति को धीरे-धीरे विनाश की ओर ले जाता है। गुस्सा वास्तव में वह सज़ा है, जो हम किसी दूसरे की गलती के लिए स्वयं को देते हैं।

क्रोध के क्षणों में मनुष्य अपनी विवेक शक्ति खो बैठता है और ऐसे निर्णय कर लेता है, जिनका उसे जीवनभर पश्चाताप करना पड़ता है। क्रोध सबसे पहले उसी व्यक्ति को जलाता है जिसके भीतर वह उत्पन्न होता है। यह विवेक, शांति और रिश्तों को नष्ट कर देता है। इस अवसर पर संघ के अनेक सदस्यों सहित मंजुनाथनगर संघ के अनेक सदस्य उपस्थित थे। संघ के मंत्री विनय बम्ब ने संघ की विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों की जानकारी दी।

त्रिशूर में हाथी ने मचाया उत्पात, कई वाहनों को क्षतिग्रस्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर/भाषा। केरल के त्रिशूर शहर के एक रिहायशी इलाके में शनिवार की सुबह एक हाथी ने कई वाहनों और संपत्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। उसने कहा कि मंदिर से लौटते समय हाथी अचानक उत्तेजित हो गया और शहर में कुछ किलोमीटर तक दौड़ता रहा।

पुलिस ने बताया कि हाथी ने रास्ते में आने वाले वाहनों को पलट दिया या क्षतिग्रस्त किया, कुछ घरों की दीवारों और पेड़ों को भी नुकसान पहुंचाया हुआ। उसने बताया कि हाथी ने जिस रिहायशी इलाके में उत्पात मचाया, वहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता बी. गोपालकृष्णन भी रहते हैं।

इस घटना में क्षतिग्रस्त हुए वाहनों में से एक कार भी जिसे महिला चला रही थी। टेलीविजन चैनल पर प्रसारित वीडियो में दिख रहा है कि हाथी ने अपने दांतों से कार को कई बार ऊपर-नीचे करने के बाद पलट दिया, जबकि महिला उसके अंदर ही थी। संगीता नाम की महिला ने एक टीवी चैनल को बताया कि हाथी के चले जाने के बाद लोगों ने उसे कार से बाहर निकाला और कहा कि वह सौभाग्यशाली थी कि उसे कोई चोट नहीं आई।

लगभग एक घंटे की जद्दोजद के बाद महावत ने हाथी को काबू में करने के लिए उसके पिछले पैरों में जंजीर बांधने में सफल रहा। हालांकि, हाथी तब भी शांत नहीं हुआ।

इस बीच, राज्य के वन मंत्री शिबू बेबी जॉन ने एक टीवी चैनल को बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने तुरंत हाथी दस्ते को इलाके में भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ वन अधिकारी मौके पर पहुंचेंगे और आवश्यक कदम उठाएंगे।

जॉन ने कहा कि कहा कि जरूरत पड़ने पर बेहोश करने वाले इंजेक्शन देने के निर्देश दिए गए हैं।

कठोर परिश्रम को ज्ञान और विवेक के साथ अपनाने पर सफलता संभव : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गंगानगर जैन स्थानक में आयोजित प्रवचन सभा में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने कहा कि अदम्य साहस, कठोर परिश्रम को ज्ञान और विवेक के साथ अपनाया जाए उसकी सफलता के लिए परोक्ष रूप में देव शक्ति भी सहयोग प्रदान करती है। अपने लक्ष्य के प्रति दीवानापन सवार हो जाए, मान अपमान की परवाह न करें, तो सफलता उसके चरण चूमती है।

राष्ट्रसंत ने कहा कि भाग्य और किस्मत के भरोसे रहकर हाथ पर हाथ धर कर बैठ जाता है वह वर्तमान भी खोता है और भविष्य को भी अंधकार में धकेलता है। संतश्री ने कहा कि रामायण और गीता सभी धर्म ग्रंथों में भी लिखा है कि कर्म सफलता की चाबी है।

नीलेश बोहरा, श्याम नंदावत ने गुरु भक्ति गीत प्रस्तुत किया। अनिल गन्ना, विजयराज पितलिया, वरदीचन्द पिपलिया, मानक गन्ना आदि ने विचार व्यक्त किए।

पुरुषोत्तम मास में अग्रवाल समाज ने किया अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पुरुषोत्तम मास में जनसेवा के कार्यों के अंतर्गत अग्रवाल समाज कर्नाटक व अग्रवाल महिला मंडल द्वारा शनिवार को समाज कार्यालय के सामने अन्नदान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाराजा अग्रसेन की पूजा कर अन्नदान की शुरुआत की। अन्नदान में 1500 से ज्यादा लोगों को भोजन कराया गया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष सुभाष बसंल, सचिव सतीश गोयल, कोषाध्यक्ष अंकित मोदी, संजय तायल, महिला मंडल की अध्यक्षा नीरू तायल सचिव सुनीति अग्रवाल, कोषाध्यक्ष कविता तायल, ज्योति मोदी, राखी गोयल, रीना सिहासन के साथ अन्य सदस्यों ने अन्नदान सेवा कार्य में भाग लिया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**